www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 152 || अम्बेडकरनगर
रविवार
23 अगस्त 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:41
सूर्यास्तः 06:37
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार
झारखंड छात्र आंदोलन ... >>पेज 04
बेटा नहीं होने पर पत्नी-बेटी ... >>पेज 06
53 साल के अर्जुन रामपाल...

सीएम योगी बोले- यूपी में चीनी की कोई कमी नहीं, भ्रम फैलाने वालों पर होगी कड़ी कारवाई

प्रदेश में पर्याप्त चीनी उपलब्ध

- निर्देश- आवश्यकता पड़ने पर 15 अक्टूबर से संचालित की जाएं चीनी मिलें
- कतई परेशान न हों आमजनः मुख्यमंत्री
- चीनी मिलों में 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडारण

आश्वासन

- दो महीने (जून-जुलाई) में चीनी मिलों ने किया 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री
- पेराई सत्र 2025-26 में 48 लाख किसानों को 32,554 करोड़ रुपये का हुआ भुगतान

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि राज्य में चीनी की कोई कमी नहीं है, इसलिए आम नागरिक कतई परेशान न हों। प्रदेश की चीनी मिलों में वर्तमान में 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडार उपलब्ध है। चीनी मिलों ने दो महीने (जून-जुलाई) में 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि आवश्यकता पड़ने पर चीनी मिलें 15 अक्टूबर से संचालित की जाएं।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम ने दिया निर्देश- भौतिक सत्यापन कराएं जिलाधिकारी

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद की समस्त पंजीकृत चीनी मिलों, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं के गोदामों का भौतिक सत्यापन कराते हुए उपलब्ध स्टॉक की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट प्राप्त करें। निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक धारित करने अथवा जमाखोरी पर कठोर कार्रवाई की जाए। जनपद में चीनी की उपलब्धता एवं मूल्य पर सतत निगरानी रखते हुए किसी भी प्रकार की कृत्रिम कमी अथवा मूल्यवृद्धि की स्थिति में तत्काल शासन को अवगत कराएं।

भ्रम फैलाने व कालाबाजारी करने वालों पर करें कार्रवाई

सीएम योगी ने आमजन से अपील की कि चीनी की कमी बताकर भ्रम फैलाने वालों से सावधान रहें। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि चीनी की कालाबाजारी और भ्रम फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने भारत सरकार के निर्देश के क्रम में कहा कि कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक चीनी स्टॉक का भंडारण नहीं करेगा और वे एक समय में 400 टन से ज्यादा स्टॉक भी नहीं रख सकते। बल्क कंज्यूमर्स (10 मीट्रिक टन प्रतिमाह खपत) भी 15 दिन से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकते।

भाजपा की नई टीम से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पहुंचे। यहां पीएम मोदी ने पार्टी के नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ मुलाकात की और उनके साथ तस्वीर भी खिंचवाई। इस दौरान भाजपा की नई टीम के सदस्य प्रधानमंत्री के साथ नजर आए। पार्टी मुख्यालय में इस मुलाकात को संगठन के लिहाज से अहम माना जा रहा है। भाजपा में हाल ही में संगठनात्मक बदलाव के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई टीम का गठन किया है। नई टीम के गठन के बाद प्रधानमंत्री का पार्टी मुख्यालय पहुंचना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

परिवारवाद का भी फायदा होता है, घर में ही 5 सांसद, इसलिए सपा नहीं टूटी

बीजेपी का मतलब भाग जाओ पाकिस्तान : अखिलेश यादव

पलटवार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को पार्टी न टूटने की वजह बताई। उन्होंने कहा- देशभर में कई दल टूट गए, लेकिन कभी सोचा है कि सपा क्यों नहीं टूटी? क्योंकि, एक ही परिवार के 5 सांसद हैं। कई मुस्लिम सांसद हैं।

कुछ पक्के समाजवादी सांसद हैं। कभी-कभी परिवारवाद का भी फायदा होता है। सपा कार्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश ने सीएम योगी के बयान पर पलटवार किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश ने कहा- जितना हम समाजवादी लोग मिलकर प्रेम, दया और अपनापन से लोगों को जोड़ेंगे, सपा उतनी ही मजबूत होगी। भविष्य में ऐतिहासिक सरकार बनाएगी।

पिता, पति और बेटे से आपका रिश्ता, लेकिन आपकी पहचान उनसे नहीं

देश की लड़कियों का आजाद होना जरूरी : राहुल गांधी

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

पुणे । राहुल गांधी ने शनिवार को 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा- देश की लड़कियों का आजाद होना जरूरी है। पिता, पति और बेटे से आपका रिश्ता अहि, लेकिन आपकी पहचान उनसे नहीं है। उन्होंने कहा, 'आज में राजनीति की बात करने नहीं आया। आज आपको मौका दूंगा। आज आप बोलें, आप क्या सोचते हैं, क्या चाहते हैं। हम आपके विचारों को आपसे ही साझा करेंगे। उस पर चर्चा करेंगे।' इस कार्यक्रम में सिर्फ छात्राएं शामिल हो रही हैं। उन्होंने राहुल-राहुल के नारे लगाए। पुलिस ने इस कार्यक्रम के लिए 30 शर्तों के साथ परमिशन दी है। इससे पहले उन्होंने कोटा में 17 जून, देहरादून में 17 जुलाई और प्रयागराज 8 अगस्त को छात्रों से बातचीत की थी। इस दौरान राहुल ने पेपर लीक और देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार से जुड़े मुद्दे उठाए थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल पुणे एयरपोर्ट पहुंचे, कांग्रेस नेताओं ने स्वागत किया

राहुल ने कहा- महिलाएं परिवार में हिस्सा नहीं मांग सकतीं

राहुल ने एक और महिला से कहा- अगर आपका भाई हिस्सा मांगता है तो उसे अधिकार कहते हैं। अगर आप मांगें तो इसे हिस्सेदारी कहा जाता है।

महिला ने जवाब दिया- परिवार यही चाहते हैं कि एक महिला 9 से 5 की जॉब करे। वापस आकर घर का काम करे, खाना बनाए। बच्चे संभाले।

खड़गे बोले- ये कैसा आत्मनिर्भर भारत, 3 महीने में 40% महंगी हुई

गन्ने का बड़ा हिस्सा एथेनॉल बनाने में खपा

सरकार की नई एथेनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसी के तहत गन्ने का एक बड़ा हिस्सा चीनी की बजाय एथेनॉल बनाने में खप रहा है। ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, देश में पिछले साल 720 करोड़ लीटर एथेनॉल बना। इसके लिए 1.33 करोड़ टन अनाज व 25 लाख टन चीनी बनाने लायक गन्ना-शीरा लगा। इसमें 34 लाख टन गन्ना था।

'चीनी 70 प्रति किलो'

मौसम खराब होने से गन्ने से चीनी कम बनी

नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड के मुताबिक, पिछले साल ज्यादा बारिश से गन्ने 'की फसल को नुकसान हुआ। इससे गन्ने से चीनी बनने की दर यानी रिकवरी रेट 12% से नीचे आ गया। मतलब 100 किलो गन्ने से 12 किलो से भी कम चीनी बनी। इससे देश का चीनी उत्पादन करीब 3 करोड़ टन रहा, जबकि अनुमान 3.2 करोड़ टन का था।

फास्ट न्यूज

बीजेपी ने जेन-जी से जुड़ने के लिए टीम बनाई

नई दिल्ली। बीजेपी ने जेन-जी यानी युवा वोटर्स से जुड़ने के लिए खास टीम बनाई है। इसमें भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े के साथ गुजरात के मंत्री हर्ष सांघवी और छत्तीसगढ़ के मंत्री ओपी चौधरी शामिल हैं।

बढ़ोतरी रिसर्च

एक सत्र में बिल लाने-पास कराने का ट्रेंड बढ़ा

नई दिल्ली । संसद में बिल पेश करने और उन्हें पास कराने की रफ्तार पिछले एक साल में बढ़ी है। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद से अब तक पेश किए गए 64 बिलों में से 34 यानी 53% बिल उसी सत्र में दोनों सदनों से पास हो गए, जिसमें उन्हें पेश किया गया था। यह आंकड़ा PRS लेजिस्लेटिव रिसर्च के सेशनवाइज डेटा से सामने आया है। PRS के मुताबिक, 16वीं लोकसभा में 189 में से 63 यानी 33% बिल उसी सत्र में दोनों सदनों से पास हुए थे। 17वीं लोकसभा में यह आंकड़ा बढ़कर 62% हो गया। उस दौरान पेश किए गए 190 बिलों में से 117 उसी सत्र में पास हुए थे।

सिख परिवारों का राहुल के घर के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली । सिख नेताओं और 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के सदस्यों ने शनिवार को 5, सुनहरी बाग रोड स्थित राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी सिख कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पार्टी नेता सज्जन कुमार को हीरो और आदर्श बताने वाले बयान से नाराज हैं।

तमिलनाडु सरकार नवजात बच्चों को सोने की अंगूठी देगी

चेन्नई । तमिलनाडु सरकार ने सरकारी अस्पतालों में जन्मे नवजात बच्चों के लिए 1.28 लाख सोने की अंगूठियों के वर्क ऑर्डर जारी किए हैं। इस योजना का बजट 220 करोड़ रुपए है।

तमिलनाडु मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन ने शुक्रवार देर रात जॉयलुक्कास और कल्याण ज्वेलर्स को ऑर्डर दिए। ये अंगूठियां जून से सितंबर के बीच सरकारी अस्पतालों में जन्मे बच्चों को दी जाएंगी। इस योजना 15 सितंबर को द्रविड़ आंदोलन के नेता सी. एन. अन्नादुरई की जयंती पर शुरू की जाएगी। हालांकि, विपक्ष ने टेंडर प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। तमिलनाडु विधानसभा में भी योजना के टेंडर को लेकर बहस हुई। विपक्षी DMK और AIADMK ने खरीद प्रक्रिया पर सवाल उठाए।

जज भगवान नहीं हर फैसला सही नहीं : जस्टिस करोल

कहा- न्याय के लिए विनम्रता जरूरी

स्पीच

तमसा संकेत, एजेंसी

- धर्म का मतलब अनुष्ठान नहीं कर्तव्य है
- चार दशक की कानूनी यात्रा को याद किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल शनिवार को रिटायर हो गए। उन्होंने अपनी फेयरवेल स्पीच में कहा कि जज भगवान नहीं होते, इसलिए यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि उनका हर फैसला पूरी तरह सही होगा। जस्टिस करोल बोले, "हम जज कोई भगवान नहीं हैं। हम हर फैसला सही नहीं कर सकते। न्याय करने के लिए विनम्रता जरूरी है। जजों को हर मुकदमे में केवल याचिकाकर्ता नहीं, बल्कि उसके पीछे खड़े इंसान को भी देखना चाहिए। जस्टिस करोल ने कहा कि संविधान जजों से केवल कानून को सही तरीके से लागू करने की उम्मीद नहीं करता। वह कानून को न्यायपूर्ण तरीके से लागू करने की भी मांग करता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूरी हुईं रस्में

शिव बाबा धाम में एक साथ बजे मंगल गीत

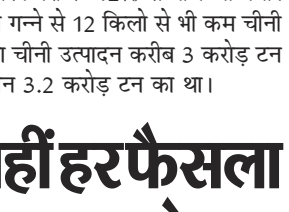

- 292 जोड़ों ने लिए सात फेरे
- हर जोड़े के लिए एक लाख रुपये की व्यवस्था

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। शिव बाबा धाम में शनिवार को 292 जोड़ों के विवाह के साथ सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत हुए कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार और मंगलगीतों के बीच वर-वधुओं ने एक-दूसरे का हाथ थामा। विवाह की रस्में पूरी होने के बाद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों पर पुष्प वर्षा की। सुबह से ही शिव बाबा धाम में वर-वधुओं और उनके परिजनों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। समारोह का शुभारंभ एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद और जिला पंचायत अध्यक्ष साधु वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

एक जोड़े के लिए एक लाख रुपये की व्यवस्था

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े पर एक लाख रुपये की व्यवस्था की गई। इसमें 64 हजार रुपये वधू के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। विवाह के बाद नवदंपती को 21 हजार रुपये की वैवाहिक उपहार सामग्री दी गई। इसमें कपड़े, आभूषण, बर्तन और गृहस्थी में इस्तेमाल होने वाली सामग्री शामिल रही। शेष 15 हजार रुपये समारोह के आयोजन पर खर्च किए गए।

10 हजार रीलों और दुर्लभ सिक्कों से चमकेगा भारत का इतिहास, बीएचयू में चल रहा रिसर्च

70 साल पुराने संदूकों से मिला 5000 साल पुराना खजाना

रिसर्च

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । करीब सात दशक से बंद पड़े बीएचयू के 5 जर्जर संदूकों को शुक्रवार को खोला गया। इनमें इतिहास के कई दस्तावेज मिले हैं। इन दस्तावेजों ने विश्वविद्यालय के पुरातत्व शोध को नई दिशा दे दी। संदूकों में 5 हजार साल तक पुरानी पुरातात्विक वस्तुओं के साथ एनालॉग कैमरों की 10 हजार से ज्यादा निगेटिव रील और ग्लास स्लाइड्स मिली हैं।

इनमें बीएचयू की ओर से देश के 63 प्रमुख स्थलों पर कराई गई पुरातात्विक खुदाई के दुर्लभ दृश्य

राजघाट की पुरातात्विक रिपोर्ट चार खंडों में प्रकाशित हो चुकी है, लेकिन विभाग का मानना है कि खुदाई से जुड़े कई सवाल अब भी अनसुलझे हैं। पुराने संदूकों से मिली सामग्री इन शोधों को दोबारा आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण आधार बन सकती है।

सुरक्षित हैं। इन तस्वीरों में काशी के राजघाट से लेकर अजंता-एलोरा की गुफाओं तक के पुरास्थल, प्राचीन मंदिर, स्तूप, चैत्य-विहार और महादेव, भगवान विष्णु व गौतम बुद्ध की प्रतिमाएं दर्ज हैं। संग्रह में प्राचीन सिक्के, मुहरें, मुद्रांक, अभिलेख, मिट्टी के खिलौने और पाषाणकालीन औजार भी मिले हैं। अब बीएचयू के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग ने इस सामग्री का दस्तावेजीकरण और संरक्षण शुरू कर दिया है। पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष प्रो. महेश प्रसाद अहिरवार के मुताबिक, संदूकों में मिली सामग्री लंबे समय से संरक्षण से दूर थी। संदूकों की हालत भी काफी खराब हो चुकी थी।

राजघाट की मुहरों और सिक्कों में छिपे हैं कई राज

राजघाट से जुड़े अभिलेख, मुहरें और सीलिंग्स इस संग्रह की खास सामग्री हैं। यहां से एक हजार से अधिक अभिलेख, मुहरें और सीलिंग्स मिलने की जानकारी है। इसके अलावा कुछ तांबे के सिक्कों पर बेहद सूक्ष्म अक्षर खुदे हुए हैं। इन सिक्कों पर दर्ज लिपियों को अभी पढ़ा जाना बाकी है। विशेषज्ञों के अध्ययन के बाद इनसे तत्कालीन अर्थव्यवस्था, व्यापार, तकनीक, संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था से जुड़ी नई जानकारी मिलने की उम्मीद है।

10 हजार से ज्यादा निगेटिव में कैद है पुरातत्व का इतिहास

संदूकों से मिली सबसे महत्वपूर्ण सामग्री में 10 हजार से अधिक निगेटिव रील और ग्लास स्लाइड्स हैं। ये उस दौर के एनालॉग कैमरों से तैयार की गई थीं, जब पुरातात्विक खुदाई के दौरान मिले साक्ष्यों को इसी तरह तस्वीरों के जरिए रिकॉर्ड किया जाता था। इनमें काशी के राजघाट, अजंता-एलोरा समेत देश के 63 प्रमुख पुरास्थलों की तस्वीरें हैं। प्राचीन इमारतों और धार्मिक स्थलों के साथ खुदाई में सामने आए मंदिरों, स्तूपों, चैत्य-विहारों और मूर्तियों के दृश्य भी रिकॉर्ड किए गए हैं। पुरानी तस्वीरें इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनमें कुछ ऐसे पुरास्थलों और अवशेषों की स्थिति दर्ज हो सकती है, जो समय के साथ बदल चुके हैं या अब पहले जैसे मौजूद नहीं हैं।

जमीन पर सो रही महिला को जहरीले सांप ने डसा, इलाज के दौरान मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी) मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई। घर में जमीन पर सो रही 40 वर्षीय महिला को जहरीले सांप ने काट लिया। सर्पदंश के बाद महिला की हालत बिगड़ने पर परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान शनिवार सुबह महिला की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार बसंतपुर गांव निवासी लालजी की पत्नी बड़की शुक्रवार रात अपने घर में पक्के मकान के कमरे में जमीन पर सो रही थीं। बताया जा रहा है कि देर रात इसी दौरान किसी जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया। सर्पदंश के कुछ समय बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी। उनकी तबीयत खराब

होते देख परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो परिवार में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने बिना देर किए एंबुलेंस की मदद से बड़की को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने महिला का उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी रही। स्थिति नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन तत्काल उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उपचार किया गया। हालांकि, शनिवार सुबह ही उपचार के दौरान बड़की ने दम तोड़ दिया।महिला की मौत की खबर जैसे ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

फास्ट न्यूज

हाईकोर्ट के आदेश पर अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

बाराबंकी। बाराबंकी के सिरौलीगौसपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम बिबियापुर में शनिवार दोपहर करीब 3 बजे प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। थाना टिकैतनगर क्षेत्र के गांव में उच्च न्यायालय इलाहाबाद की लखनऊ खंडपीठ के आदेश के अनुपालन में रास्ते की भूमि पर किए गए पक्के निर्माण को JCB की मदद से हटाया गया। इसके बाद रास्ते की जमीन को खाली करा दिया गया।

शॉर्टकट से अरबपति बनना चाहती थी गरिमा सिंह

गोरखपुर । गोरखपुर की महिला ठग गरिमा सिंह शॉर्टकट से अरबपति बनना चाहती थी। इस चाहत में अफसरों, डॉक्टर और टीचर से ठगी करके उसने 10 करोड़ रुपए लुटाए। फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग में भी उसने करोड़ों रुपए लगाए। लेकिन, वह अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो पाई। 1 करोड़ की डिफेंडर खरीदने वाली थी, लेकिन अपनी करतूत की वजह से इससे पहले रेलवे अफसर पिता के साथ जेल पहुंच गई। जेल जाने के बाद लगातार नए-नए कारनामे उसके सामने आ रहे हैं।

पुलिस बूथ के सामने केमिकल डालकर टप्पेबाजी

बाराबंकी। बाराबंकी के हैदरगढ़ कस्बे में पुलिस बूथ के ठीक सामने दिनदहाड़े टप्पेबाजी की घटना से हड़कंप मच गया। बदमाशों ने कार के बोनट के पास केमिकल जैसा पदार्थ डाल दिया। इससे धुआं उठने लगा और आसपास मौजूद लोगों की आंखों में तेज जलन होने लगी। परिवार के लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही दो बदमाश कार में रखा नकदी, जेवर और जरूरी कागजात से भरा बैग लेकर फरार हो गए।

एसडीएम रामनगर की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। आगामी बारावफ़ात पर्व को सकुशल, सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को थाना मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र की पुलिस चौकी सूरतगंज में एक उच्चस्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। उपजिलाधिकारी (रामनगर) आकांक्षा गुप्ता की अध्यक्षता तथा प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह भदौरिया एवं चौकी प्रभारी उमेश कुमार वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आहूत इस बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत एवं विशिष्ट नागरिकों ने सहभागिता की। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम आकांक्षा गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सक्षम अधिकारियों की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी जुलूस नहीं निकाला जाएगा और आयोजकों को केवल पूर्व-निर्धारित एवं पारंपरिक मार्गों का ही अनुपालन करना होगा। सुरक्षा एवं व्यवस्था के दृष्टिगत आयोजकों को 10-10 वालंटियरों तथा झंडा-जलसा कमेटी के 5-5 सदस्यों के नाम, रूट चार्ट, संभावित जनसमूह का विवरण तथा डीजे संचालकों के पहचान पत्र बीट कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। प्रशासनिक दिशा-निर्देशों के अनुसार अमानक अथवा ध्वनि-मानकों (50 मेगाहर्ट्ज/डेसिबल सीमा) का उल्लंघन करने वाले साउंड सिस्टम व सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले गीतों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

विद्यापीठ में धरने पर बैठे छात्र, कहा- एजेंसी सुधार के लिए पैसे मांग रही

वाराणसी में एग्जाम दिया, फिर भी एब्सेंट दिखाकर फेल किया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में परीक्षा परिणाम की गड़बड़ियों से परेशान छात्रों ने शुक्रवार को परीक्षा भवन के सामने प्रदर्शन किया। आरोप है कि परीक्षा देने के बावजूद कई विद्यार्थियों को रिजल्ट में अनुपस्थित दिखाकर फेल कर दिया गया। इसके अलावा परिणाम में कई अन्य त्रुटियां भी सामने आई हैं। छात्रों का कहना है कि पहले प्रदर्शन के बाद तीन दिन में सुधार का आश्वासन मिला था, लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी समस्या जस की तस है।

छात्र शिवम ने कहा कि एजेंसी विश्वविद्यालय परिसर के बाहर से काम कर रही है और कुछ लोगों के

परीक्षा भवन के सामने छात्रों ने किया प्रदर्शन

माध्यम से पैसे लेकर फर्जी तरीके से रिजल्ट बनाने और उसे सुधारने का काम किया जा रहा है।

मामले में विश्वविद्यालय के अधिकारियों को साक्ष्य के साथ शिकायत दे चुके हैं। हालांकि, इन आरोपों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने मांग की कि परीक्षा से जुड़े काम देख रही एजेंसी को विश्वविद्यालय परिसर में रहकर काम करना चाहिए। छात्रों का कहना है कि इससे कामकाज में पारदर्शिता रहेगी और किसी भी गड़बड़ी की जिम्मेदारी तय की जा सकेगी।

छात्र आयुष यादव ने बताया कि उन्होंने परीक्षा दी थी, लेकिन रिजल्ट में उन्हें अनुपस्थित दिखा दिया गया। उनका आरोप है कि ऐसी समस्या कई अन्य छात्रों के साथ भी हुई है। छात्र विश्वविद्यालय अधिकारियों और परीक्षा विभाग के चक्कर लगा रहे हैं।

धरने के बाद तीन दिन में सुधार का मिला था आश्वासन

छात्रों ने बताया कि इससे पहले भी रिजल्ट की गड़बड़ियों को लेकर प्रदर्शन किया गया था। उस दौरान तीन दिन के भीतर त्रुटियां ठीक करने का आश्वासन दिया गया था। छात्रों का आरोप है कि तय समय सीमा बीतने के बाद भी जिन विद्यार्थियों को परीक्षा देने के बावजूद अनुपस्थित दिखाया गया था, उनके परिणाम में सुधार नहीं किया गया। इसके चलते छात्र लगातार परीक्षा विभाग के चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

178 लोग सवार थे, पायलट ने दूसरी कोशिश में उतारा, गोरखपुर की घटना

लैंडिंग करते इंडिगो विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया

गोरखपुर एयरपोर्ट पर रोजाना 20- 22 फ्लाइट्स आती-जाती हैं। यहां का रन-वे 2.7 किमी लंबा है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण इसका संचालन करता है।

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर एयरपोर्ट पर एक विमान हादसा टल गया। इंडिगो विमान की लैंडिंग के दौरान पिछला हिस्सा (टेल) जमीन से टकरा गया था। इसके बाद पायलट ने विमान को फिर से हवा में ले लिया। कुछ देर बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) के क्लियरेंस मिलने पर विमान की दोबारा लैंडिंग कराई।

मामला 19 अगस्त का है। दिल्ली से आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6E 2381 में क्रू मेंबर्स समेत 178 लोग सवार थे। विमान के उतरने के बाद नियमित जांच में पिछले हिस्से में ऑक्सिलरी पावर यूनिट (APU) के पास खरोंच के निशान मिले।

विमान को अस्थायी तौर पर सेवा से हटा दिया गया है। फिलहाल,

इंडिगो प्रवक्ता ने कहा-विमान को गो-अराउंड यानी दोबारा हवा में ले जाने का फैसला पूरी तरह सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। यात्रियों, क्रू और फ्लाइट की सुरक्षा कंपनी की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

इसकी तकनीकी जांच और मरम्मत की जा रही है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, तकनीकी मंजूरी मिलने के बाद ही विमान को दोबारा उड़ान में शामिल किया जाएगा।

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, गो-अराउंड के बाद विमान करीब 15-20 मिनट तक हवा में उड़ता रहा। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से दोबारा क्लीयरेंस मिलने के बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। गो-अराउंड की वजह से कुछ देर तक यात्री घबरा गए। हालांकि, क्रू ने यात्रियों से शांत रहने की अपील की। एयरपोर्ट के डायरेक्टर संजय कुमार ने कहा- विमान के टेल यानी पीछे के हिस्से में खरोंच के निशान (Tail Impact) की सूचना मिली थी। इसके बाद विमान को ग्राउंडेड किया गया। यही विमान दिल्ली यात्रियों को वापस दिल्ली ले जाता था। दूसरे विमान से यात्रियों को दिल्ली भेजा गया। इसमें 5 घंटे की देरी हुई। इससे कई यात्रियों की कनेक्टिंग फ्लाइट और जरूरी काम प्रभावित हुए।

बरेली कॉलेज में जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग कार्यशाला की विवरणिका का विमोचन

कार्यशाला में स्नातक, परास्नातक, शोधार्थी एवं शिक्षक भाग ले सकते हैं। विभाग द्वारा इच्छुक प्रतिभागियों से कार्यशाला में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की गई है।

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित की जा रही एक दिवसीय कार्यशाला "Navigating the Future: GIS & Remote Sensing" की विवरणिका का विमोचन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ. पी. राय एवं उप प्राचार्य प्रो. वंदना शर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला का आयोजन आगामी 25 अगस्त 2026 को किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. रमेश त्रिपाठी, पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह, प्रो. राजेंद्र सिंह, डॉ. योगेश शर्मा, प्रो. निष्ठा सेठ, प्रो. अनामिका अग्रवाल एवं डॉ. गौरव भूषण सहित विभाग के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस दौरान प्रदीप, अभिषेक, अंजलि, मुकेश, हर्षित तिवारी सहित अन्य शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की भी उपस्थिति रही।

प्रो. जसपाल सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को GIS एवं Remote Sensing के क्षेत्र में उपलब्ध करियर एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी भी दी जाएगी। GIS Analyst, Remote Sensing Scientist एवं Cartographer जैसे क्षेत्रों में करियर की संभावनाओं तथा संबंधित certifications के बारे में भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

कार्यशाला के बारे में जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण विशेष रूप से GIS एवं Remote Sensing के शुरुआती स्तर के प्रतिभागियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। प्रशिक्षण के प्रथम चरण में प्रतिभागियों को GIS एवं Remote Sensing की आधारभूत अवधारणाओं से परिचित कराया जाएगा तथा इसके बाद क्रमबद्ध रूप से व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं तकनीकी विषयों को शामिल किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को Geographical Information System (GIS) एवं Remote Sensing की आधुनिक तकनीकों की आधारभूत एवं व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को Google Earth Pro, GIS की मूल अवधारणाओं एवं Remote Sensing की Fundamentals के साथ-साथ ArcGIS एवं Satellite Imagery Processing की जानकारी दी जाएगी।

तेज बारिश में धंसा सूरतगंज हेतमापुर मार्ग का चौड़ीकरण

निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र में सूरतगंज से हेतमापुर मार्ग के चौड़ीकरण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ गए हैं। शुक्रवार देर रात हुई तेज बारिश के दौरान बंभनावा पुल से लगभग 50 मीटर आगे हेतमापुर की ओर जाने वाले मार्ग का हाल ही में बनाया गया चौड़ीकरण वाला हिस्सा धंस गया। इससे सड़क किनारे करीब दो फीट लंबा और लगभग चार फीट गहरा गड्ढा हो गया है, जिससे वाहन चालकों के लिए हादसे का खतरा बढ़ गया है।

बताया जा रहा है कि सूरतगंज से हेतमापुर तक जाने वाले इस मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य अभी प्रगति पर है। क्षेत्रवासियों को उम्मीद थी कि इस कार्य से आवागमन सुगम होगा और बारिश के मौसम में भी

लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी। हालांकि, कार्य पूरा होने से पहले ही सड़क के किनारे गड्ढा होने लगे ऐसे में निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।क्षेत्रीय निवासी अमित सिंह राठौर, सत्यवान वर्मा, राजेश तिवारी, त्रिभवन, सूरज, रोहित और दीपक सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार देर रात हुई तेज बारिश के बाद शनिवार को जब लोग मार्ग से गुजरे, तो बंभनावा पुल के पास सड़क किनारे एक बड़ा गड्ढा दिखाई दिया। ग्रामीणों के अनुसार, यह गड्ढा काफी गहरा है और बाइक सवारों तथा छोटे वाहनों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है, खासकर रात के समय। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण का कार्य अभी नया है और निर्माण के दौरान ही सड़क का किनारा धंसना सड़क की नींव, इस्तेमाल की गई निर्माण सामग्री और पानी की निकासी व्यवस्था पर सवाल उठाता है।

चेतावनी : 20 हजार लोगों पर बाढ़ का खतरा, मऊ में नाव से चारा ला रहे किसान

काशी में गंगा के बाद वरुणा उफनाई, पलायन शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी/लखनऊ। यूपी में मानसून एक्टिव है। शनिवार सुबह से लखनऊ, संभल, बाराबंकी समेत 30 शहरों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। शामली-बरेली में इतनी बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। बहराइच में 2 घंटे की बारिश से मेडिकल कॉलेज में पानी घुस गया।

लखनऊ में शुक्रवार को इस सीजन में सबसे ज्यादा रिकॉर्ड 56.4 मिमी बारिश हुई। इससे पहले 15 अगस्त को 40.9 मिमी बारिश हुई थी। मौसम विभाग ने आज 66 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें 29 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है।

मेरठ में बारिश के बाद LLRM मेडिकल कॉलेज में जलभराव हुआ। मरीज और स्टाफ पानी के बीच से निकले। प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर 24 घंटे में 37-38 सेंटीमीटर बढ़ गया। बड़े हनुमान मंदिर की दो सीढ़ियों तक पानी पहुंचा।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ा

प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में जलस्तर में करीब 37 से 38 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके चलते संगम स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर की दो सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। जलस्तर बढ़ने का सिलसिला जारी है। अनुमान है कि शनिवार शाम तक गंगा का पानी श्री बड़े हनुमान मंदिर में प्रतिमा तक पहुंच सकता है।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-बंगाल की खाड़ी से नम हवा लगातार उत्तर प्रदेश की ओर चल रही है। इसके असर से प्रदेश में मानसून एक्टिव है। 25 अगस्त तक रुक-रुककर बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है।

मेरठ मेडिकल कॉलेज में बारिश के बाद जलभराव

मेरठ में बारिश के बाद LLRM मेडिकल कॉलेज परिसर के अस्पताल में जलभराव हो गया। पानी भरने से मरीजों, तीमारदारों और अस्पताल के स्टाफ को पानी के बीच से होकर आना-जाना पड़ा। कई घंटे बाद पंप सेट लगाकर परिसर से पानी निकालने का काम शुरू कराया गया।

इधर, लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। बाराबंकी-अयोध्या, गोंडा में घाघरा (सरयू), बदायूं-बलिया में गंगा, लखीमपुर में शारदा, प्रयागराज में टोंस, सोनभद्र में सोन और चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे

के निशान के ऊपर बह रही हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। करीब एक लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं।

वाराणसी के सभी 84 घाट गंगा में डूब गए हैं। अस्सी घाट पर जहां दुकानें लगती थीं, वहां नावें चल रही हैं। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती भी छत पर कराई जा रही है। नमो घाट भी जलमग्न हो गया।

आलापुर तहसील में रामनगर-जहांगीरगंज के राजस्व न्यायालय का काम प्रभावित, नई तैनाती का इंतजार

पखवारे भर से ठप नायब तहसीलदार की कोर्ट

नायब तहसीलदार स्तर से होने वाले राजस्व संबंधी कार्य भी पद रिक्त रहने से प्रभावित बताए जा रहे हैं। विभिन्न मामलों में रिपोर्ट और अन्य प्रक्रियाओं के लिए भी नायब तहसीलदार की भूमिका रहती है। करीब दो सप्ताह बीतने के बाद भी नई तैनाती नहीं होने से तहसील में न्यायिक और राजस्व कार्यों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

प्रभाव

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। आलापुर तहसील में नायब तहसीलदार की कोर्ट का काम करीब पखवारे भर से प्रभावित है। रामनगर और जहांगीरगंज क्षेत्र से जुड़े नायब तहसीलदार के पद पर नई तैनाती नहीं होने से नामांतरण वादों समेत अन्य राजस्व मामलों की सुनवाई और निस्तारण की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। इससे लंबित मामलों की संख्या बढ़ रही है। नायब तहसीलदार की कोर्ट में नामांतरण वादों के अलावा विभिन्न राजस्व मामलों की सुनवाई होती है। इन मामलों में रिपोर्ट, सुनवाई और आदेश की प्रक्रिया भी नायब तहसीलदार स्तर से जुड़ी रहती है। पद रिक्त होने से इन कार्यों की गति पर असर पड़ा है। आलापुर तहसील में तैनात रहे नायब तहसीलदार अमरनाथ द्विवेदी को करीब दो सप्ताह पहले जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने शिकायतों के बाद कलेक्ट्रेट से संबद्ध कर दिया था। उनके हटने के बाद नायब तहसीलदार के न्यायालय का काम प्रभावित हुआ है। उनके स्थान पर अब तक नई स्थायी तैनाती नहीं की गई है। इससे न्यायालय में विचाराधीन मामलों के निस्तारण को लेकर स्थिति बनी हुई है।

अमरनाथ द्विवेदी को कलेक्ट्रेट से संबद्ध किए जाने के बाद से ही नायब तहसीलदार का पद प्रभावी रूप से खाली है। अब नई तैनाती होने पर ही न्यायालय के नियमित कामकाज की पूरी तरह शुरू होने की स्थिति बनेगी। फिलहाल रामनगर और जहांगीरगंज से जुड़े नामांतरण वादों समेत अन्य राजस्व मामलों की सुनवाई प्रभावित है। लंबित मामलों के निस्तारण के लिए प्रशासनिक स्तर पर नई तैनाती का इंतजार किया जा रहा है।

नामांतरण वादों पर पड़ा सीधा असर

नायब तहसीलदार की कोर्ट में नामांतरण से जुड़े मामलों की संख्या महत्वपूर्ण होती है। इसके अलावा राजस्व संबंधी अन्य मामलों में भी सुनवाई और आदेश की प्रक्रिया होती है। पद रिक्त रहने के कारण इन मामलों में आगे की कार्रवाई प्रभावित हो रही है।

लंबित मामलों की फेहरिस्त बढ़ने के साथ उनके निस्तारण में भी देरी की स्थिति बन रही है। तहसील आने वाले फरियादियों को अपने मामलों की सुनवाई के लिए नई व्यवस्था या तैनाती का इंतजार है।

आज परीक्षा : बदलेगा ट्रैफिक का रूट 15 घंटे भारी वाहनों की नो-एंट्री

12 केंद्रों पर होगी स्नातक स्तरीय मुख्य परीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। रविवार को जिले में परीक्षा के साथ यातायात व्यवस्था भी बदली रहेगी। सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा (स्नातक स्तरीय) मुख्य परीक्षा (प्रा0अ0प0-2025)/08 की लिखित परीक्षा को लेकर पुलिस ने भारी वाहनों के लिए डायवर्जन प्लान जारी किया है। अकबरपुर और टांडा क्षेत्र में सुबह छह बजे से रात नौ बजे तक भारी वाहनों का रूट बदला रहेगा।

जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक परीक्षा होगी। परीक्षा के दौरान यातायात और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह व्यवस्था की गई है। आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को डायवर्जन से बाहर रखा गया है।

बस्ती और टांडा की ओर से अकबरपुर आने वाले भारी वाहनों को कटरिया याकूबपुर से डायवर्ट किया जाएगा। यहां से वाहन बाईपास का इस्तेमाल करते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे। अकबरपुर से टांडा की ओर जाने वाले भारी वाहनों को धरमनगर पुल से एनएच-233 की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

टांडा थाना क्षेत्र में कश्मिरिया, चिंतौरा और धुरहिया से हल्के और भारी वाहनों का प्रवेश भी प्रतिबंधित रहेगा।

परीक्षा का निर्धारित समय भले ही दो घंटे है, लेकिन यातायात डायवर्जन का असर सुबह से रात तक रहेगा। सुबह छह बजे से रात नौ बजे तक भारी वाहनों के लिए यह व्यवस्था लागू रहेगी। परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने वाले अभ्यर्थियों के आवागमन को ध्यान में रखते हुए प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था बदली गई है।

आजमगढ़ बसखारी से अयोध्या जाने वालों का बदलेगा रास्ता

अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में आजमगढ़ और बसखारी की ओर से अयोध्या जाने वाले भारी वाहनों को न्यौतरिया बाईपास से आगे भेजा जाएगा। इन वाहनों का रूट गोहन्ना चौराहा पहतीपुर श्रवण क्षेत्र अन्नावा अयोध्या रहेगा। अयोध्या से लौटने वाले भारी वाहनों को भी इसी मार्ग से वापस भेजा जाएगा।

फास्ट न्यूज

वाराणसी में दोस्तों ने शराब पिलाकर युवक का गला काटा

वाराणसी। वाराणसी में 16 दिन से लापता युवक की उसके ही दोस्तों ने हत्या कर दी। पहले सब ने शराब पी। उसके बाद उसकी पिटाई की। जब वह लहूलुहान होकर अधमरा हो गया तो गला रेतकर मार डाला। हत्या के बाद उसका शव बोरे में भरकर लहरतारा में नाले के पास गोबर में दबा दिया। वारदात को अंजाम देकर हमलावर फरार हो गए।

बूथ गतिविधियों की समीक्षा, संगठन को मजबूत करने पर जोर

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। स्थानीय शक्ति केंद्र उस्मापुर के तत्वावधान में भाजपा की बैठक आयोजित की गई। इसमें बूथ स्तर की गतिविधियों की समीक्षा के साथ संगठन को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि ने की। बैठक में आगामी माह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित होने वाले 'सेवा पखवाड़ा' की तैयारियों पर चर्चा की गई। इस दौरान जनसंपर्क कार्यक्रमों और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को प्राथमिकता देने पर सहमति बनी।

नगर निगम गोरखपुर को मिला ग्लोबल वाटर टेक अवार्ड

गोरखपुर । गोरखपुर नगर निगम को शहरी जल प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे काम के लिए जीईईएफ ग्लोबल वाटर टेक अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल वाटर टेक समिट एंड अवार्ड 2026 में महापौर डॉ. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव ने यह सम्मान ग्रहण किया। इस दौरान अपर नगर आयुक्त गौरव रंजन श्रीवास्तव और सहायक नगर आयुक्त अविनाश प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।

19 महीने से अटकी शिक्षामित्रों की वापसी अब अनिश्चितकालीन धरने का ऐलान

23 अगस्त से जिला मुख्यालय पर शुरू होगा आंदोलन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। 19 महीने से लंबित स्थानांतरण-समायोजन की प्रक्रिया को लेकर शिक्षामित्रों ने अब आंदोलन का रास्ता अपनाने का फैसला किया है। शिक्षामित्र शिक्षक संघ ने 23 अगस्त से जिला मुख्यालय स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की घोषणा की है। संघ का कहना है कि जनवरी 2025 में शासनादेश जारी होने के बाद भी अब तक शिक्षामित्रों के स्थानांतरण-समायोजन और मूल विद्यालय वापसी की सूची जारी नहीं हुई है।

शिक्षामित्र शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष एवं शिक्षामित्र केयर समिति के जिला संयोजक राम चंदर मौर्य ने कहा कि शासनादेश जारी हुए लंबा समय बीत चुका है, लेकिन प्रक्रिया पूरी नहीं होने से शिक्षामित्रों में नाराजगी है। संघ अब सूची जारी होने तक धरना जारी रखेगा। संघ के अनुसार एक अगस्त को जिला मुख्यालय पर हुए धरना-प्रदर्शन के दौरान 15 अगस्त तक स्थानांतरण-समायोजन और मूल विद्यालय वापसी की सूची जारी करने का आश्वासन दिया गया था। समय सीमा बीतने के बाद भी सूची जारी नहीं हुई। इसके बाद संघ ने आंदोलन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। राम चंदर मौर्य के मुताबिक 23 अगस्त से शुरू होने वाला धरना सूची जारी होने तक जारी रहेगा।

अंबेडकरनगर पहुंचे कांग्रेस के प्रदेश सहप्रभारी अभिषेक दत्त, संगठन की स्थिति पर की चर्चा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

'15 दिन में चीनी हुई 20 रुपये महंगी महंगाई ने छीन ली मिठास'

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं उत्तर प्रदेश के सहप्रभारी अभिषेक दत्त शनिवार को अंबेडकरनगर पहुंचे। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने महंगाई को लेकर सरकार पर निशाना साधा। कहा कि देश में महंगाई चरम पर है और पिछले 15 दिनों में चीनी के दाम में 20 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इससे आम लोगों के घरेलू बजट पर असर पड़ रहा है।

अभिषेक दत्त ने कहा कि "महंगाई ने चीनी की मिठास छीन ली है।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों, युवाओं, बेरोजगारों और महिलाओं के हितों को ध्यान में रखकर काम करती है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को लेकर संघर्ष के लिए तैयार है। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अवधेश कुमार मिश्र ने बताया कि अभिषेक दत्त संगठन की स्थिति जानने के लिए जिले के दौरे पर पहुंचे थे। उनके आगमन पर कांग्रेसजनों ने स्वागत किया। इस दौरान सुनील सिंह, कुलदीप उपाध्याय, सुखीलाल वर्मा, चिंताहरण पांडेय, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विशाल वर्मा, अकबरपुर ब्लॉक अध्यक्ष मो. जियाउद्दीन अंसारी, रामनगर ब्लॉक अध्यक्ष राजीव गुप्ता, कपिल देव वर्मा, रामधारी निषाद, राजपत पटेल, सत्यमवदा पासवान, साधना नायक, रामनरेश पाल और अशोक सत्यार्थी समेत अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि जिले के कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे।

अभिषेक दत्त ने जिले के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत मुलाकात भी की। इस दौरान उन्होंने संगठन की गतिविधियों और कार्यकर्ताओं की स्थिति की जानकारी ली।

कार्यकर्ताओं ने पार्टी की नीतियां आगे बढ़ाने की बात कही

पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अशोक सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अजय सिंह 'कप्तान', एआईसीसी सदस्य सै मेराजुद्दीन किछौछवी, पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील मिश्र, पूर्व प्रदेश सचिव एवं आब्जर्वर मो. अनीश खान और अमित जायसवाल ने संगठन को मजबूत करने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्ण कुमार यादव ने की। संचालन जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल 'छोटू' ने किया।

अंबेडकरनगर के कस्तूरबा व राजकीय विद्यालयों में देशभक्ति फिल्मों की स्क्रीनिंग

स्क्रीन पर दिखा शौर्य कक्षा में गूंजा राष्ट्रप्रेम

विद्यालयों में आयोजित इस गतिविधि का फोकस विद्यार्थियों में देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी की समझ विकसित करना रहा। फिल्मों में दिखाई गई घटनाओं और पात्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को साहस, त्याग और समर्पण जैसे मूल्यों से परिचित कराया गया।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शनिवार को जिले के कस्तूरबा गांधी और राजकीय विद्यालयों में पढ़ाई के साथ देशभक्ति का पाठ भी देखने को मिला। विद्यालयों में विद्यार्थियों को 'बॉर्डर' और 'क्रांति' जैसी देशभक्ति फिल्मों का प्रदर्शन कराया गया। फिल्मों के माध्यम से बच्चों को देश के वीर जवानों के साहस, त्याग और कर्तव्य के प्रति समर्पण से परिचित कराया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देशन में विद्यार्थियों में देशप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए यह गतिविधि कराई गई। फिल्मों के प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने रुचि के साथ उन्हें देखा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि देशभक्ति केवल देश की सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है। अपने दायित्वों को ईमानदारी और निष्ठा से निभाना भी राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन, परिश्रम, सद्भावना और जिम्मेदारी को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें समाज के प्रति सकारात्मक सोच रखने और अपने स्तर पर जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। विद्यालयों में फिल्म प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों की भागीदारी रही। कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें यह समझाने का प्रयास किया गया कि अनुशासन और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जहांगीरगंज से जलालपुर तक विद्यालयों में हुआ प्रदर्शन

राजकीय हाईस्कूल जहांगीरगंज, राजकीय इंटर कॉलेज भीटी, कस्तूरबा गांधी विद्यालय रामनगर, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जलालपुर और राजकीय बालिका हाईस्कूल अहरौली रानीमऊ समेत जिले के अन्य कस्तूरबा गांधी और राजकीय विद्यालयों में फिल्में दिखाई गईं।

देशभक्ति फिल्मों के जरिए विद्यार्थियों को सेना के जवानों के संघर्ष और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को समझने का अवसर मिला।

काली पट्टी बांधकर गरजे लेखपाल ट्रैप कार्रवाई पर उठाए गए सवाल

आलापुर तहसील में धरना-प्रदर्शन, मुख्यमंत्री को भेजा आठ सूत्रीय मांगपत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपदीय पुलिस स्थापना बोर्ड के निर्णय के बाद जिले की पुलिस व्यवस्था में बड़ा फेरबदल हुआ है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने 29 पुलिसकर्मियों के तबादले का आदेश जारी किया है। इसमें उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षी और आरक्षी शामिल हैं। कई पुलिसकर्मियों को थानों से हटाकर नई जगह भेजा गया है, जबकि कुछ को न्यायालय सुरक्षा, अभियोजन कार्यालय, महिला सहायता प्रकोष्ठ और अन्य शाखाओं में जिम्मेदारी दी गई है।

मुख्य आरक्षी रूबी सिंह को थाना महरुआ से अभियोजन कार्यालय भेजा गया है। अंजली मिश्रा को कोतवाली अकबरपुर से महिला सहायता प्रकोष्ठ और राधा सागर को महिला थाना भेजा गया है। सौरभ कुमार यादव को पुलिस लाइन से थाना जहांगीरगंज में तैनाती मिली है।

इसके अलावा राकेश कुमार और मोहित कुमार को कोतवाली टांडा से न्यायालय सुरक्षा भेजा गया है। करन फरजिया को थाना अलीगंज से न्यायालय सुरक्षा में तैनाती दी गई है। अजाद कुमार को न्यायालय सुरक्षा से थाना सम्मनपुर, कपिल कुमार और रूपक को थाना टांडा तथा बाघेश्वर और बृजु सिंह को थाना हंसवर भेजा गया है।

धीरज सिंह और सुनील कुमार को न्यायालय सुरक्षा से थाना अलीगंज तथा हरेन्द्र यादव को थाना अलीगंज से न्यायालय सुरक्षा भेजा गया है। रामभवन को न्यायालय सुरक्षा से थाना राजेसुल्तानपुर और पीयूष कुमार को थाना भीटी से अभियोजन कार्यालय भेजा गया है।

आलापुर (अंबेडकरनगर)। एंटी करप्शन और भ्रष्टाचार निवारण संगठन की ट्रैप कार्रवाई को लेकर शनिवार को आलापुर तहसील में लेखपालों का विरोध खुलकर सामने आया। लेखपाल संघ के अध्यक्ष विपिन त्रिपाठी के नेतृत्व में कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर धरना-प्रदर्शन किया।

नाली चोक, रास्ते पर कीचड़ और जलभराव सुल्नतारा में ग्रामीण परेशान

जगदीशपुर गांव में जलनिकासी की व्यवस्था पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। ग्राम सुल्नतारा (जगदीशपुर) में नाली और सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से रास्ते पर गंदा पानी और कीचड़ जमा रहता है। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है।

बारिश के बाद समस्या और बढ़ जाती है। रास्ते पर पानी जमा होने के बाद कीचड़ फैल जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक इसी रास्ते से बच्चों, बुजुर्गों समेत अन्य लोगों का आवागमन होता है। ऐसे में जलभराव के कारण उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना है कि नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण पानी की निकासी प्रभावित होती है। बारिश के दौरान रास्ते पर पानी जमा हो जाता है। पानी के साथ कीचड़ फैलने से रास्ते की स्थिति और खराब हो जाती है।

ग्रामीणों ने गांव की सफाई व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने सफाई कर्मचारी की कार्यप्रणाली पर आरोप लगाते हुए नियमित सफाई की मांग की है।

ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान संतोष वर्मा और सफाई कर्मचारी राम सबध से नालियों और रास्ते की नियमित सफाई कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के मुताबिक केवल नाली की सफाई से समस्या का पूरी तरह समाधान नहीं होगा। इसके लिए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था किए जाने की जरूरत है।

फेरबदल : पुलिस स्थापना बोर्ड के निर्णय के बाद एसपी प्राची सिंह ने जारी किया आदेश

थानों की तस्वीर बदली: 29 पुलिसकर्मियों के तबादले

- **रविंद्र मौर्य को थाना जैतपुर से फीडबैक सेल (शिकायत प्रकोष्ठ) भेजा गया है। वहीं हीरालाल यादव को मोबाइल रिकवरी सेल में नई जिम्मेदारी मिली है।**
- **शिल्पा यादव को कोतवाली अकबरपुर से परिवार परामर्श केंद्र भेजा गया है।**

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपदीय पुलिस स्थापना बोर्ड के निर्णय के बाद जिले की पुलिस व्यवस्था में बड़ा फेरबदल हुआ है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने 29 पुलिसकर्मियों के तबादले का आदेश जारी किया है। इसमें उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षी और आरक्षी शामिल हैं। कई पुलिसकर्मियों को थानों से हटाकर नई जगह भेजा गया है, जबकि कुछ को न्यायालय सुरक्षा, अभियोजन कार्यालय, महिला सहायता प्रकोष्ठ और अन्य शाखाओं में जिम्मेदारी दी गई है।

मुख्य आरक्षी रूबी सिंह को थाना महरुआ से अभियोजन कार्यालय भेजा गया है। अंजली मिश्रा को कोतवाली अकबरपुर से महिला सहायता प्रकोष्ठ और राधा सागर को महिला थाना भेजा गया है। सौरभ कुमार यादव को पुलिस लाइन से थाना जहांगीरगंज में तैनाती मिली है।

इसके अलावा राकेश कुमार और मोहित कुमार को कोतवाली टांडा से न्यायालय सुरक्षा भेजा गया है। करन फरजिया को थाना अलीगंज से न्यायालय सुरक्षा में तैनाती दी गई है। अजाद कुमार को न्यायालय सुरक्षा से थाना सम्मनपुर, कपिल कुमार और रूपक को थाना टांडा तथा बाघेश्वर और बृजु सिंह को थाना हंसवर भेजा गया है।

न्यायालय सुरक्षा में नौ पुलिसकर्मियों की नई तैनाती

तबादला सूची में न्यायालय सुरक्षा सबसे प्रमुख है। अलग-अलग थानों और पुलिस लाइन से नौ पुलिसकर्मियों को न्यायालय सुरक्षा में भेजा गया है। इनमें मुख्य आरक्षी सर्वेश कुमार, आरक्षी अजय यादव, विशाल शर्मा, अभिषेक यादव, राकेश कुमार, मोहित कुमार, करन फरजिया, शिवाजी गौड़ और अन्य पुलिसकर्मी शामिल हैं। उपनिरीक्षक गोविंद नारायण मिश्रा को थाना राजेसुल्तानपुर से थाना मालीपुर भेजा गया है। मुख्य आरक्षी सुनील मधुकर को थाना बसखारी से थाना सम्मनपुर और शैलेन्द्र सिंह को थाना हंसवर से थाना अहिरौली भेजा गया है। हीरालाल यादव को कोतवाली अकबरपुर से मोबाइल रिकवरी सेल में तैनाती दी गई है।

यूरिया का स्टॉक लक्ष्य से आगे, डीएपी भी भरपूर

अगस्त तक 49,289 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में खरीफ सीजन के बीच खाद को लेकर किसानों के लिए राहत की खबर है। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अगस्त तक यूरिया की उपलब्धता निर्धारित लक्ष्य से अधिक रही है। वितरण के बाद भी सहकारिता और निजी क्षेत्र में हजारों मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है।

जिला कृषि अधिकारी अरविन्द चौधरी ने बताया कि अगस्त तक यूरिया का लक्ष्य 44,171 मीट्रिक टन था। इसके सापेक्ष 49,289 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध हुई। यानी निर्धारित लक्ष्य से अधिक यूरिया की उपलब्धता रही।

विभाग के अनुसार डीएपी का लक्ष्य 5,491 मीट्रिक टन था, जबकि उपलब्धता 9,843 मीट्रिक टन रही। एनपीके के 1,336 मीट्रिक टन लक्ष्य के मुकाबले 4,208 मीट्रिक टन उपलब्ध हुआ।

एसएसपी की उपलब्धता 23,729 मीट्रिक टन रही, जबकि इसका लक्ष्य 13,666 मीट्रिक टन था। एमओपी का लक्ष्य 589 मीट्रिक टन था और उपलब्धता 178 मीट्रिक टन रही। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि उर्वरक प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री जरूरी है। जिन किसानों की अभी तक फार्मर रजिस्ट्री नहीं हुई है, वे संबंधित तहसील में जाकर अपनी खतौनी में अंश निर्धारण करा सकते हैं। अंश निर्धारण के बाद फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कराई जा सकती है।

सम्पादकीय

चीनी के बढ़ते मूल्य

चीनी के बढ़ते मूल्यों का संज्ञान लिया जाना आवश्यक था, लेकिन अच्छा होता कि सरकार तभी चेत जाती, जब चीनी के दाम बढ़ने शुरू हुए थे। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बीते दो महीनों में चीनी के मूल्य लगभग 40 प्रतिशत बढ़ गए हैं। सरकार ने इसका कारण खराब मौसम की वजह से गन्ने की फसल को नुकसान और उसके चलते चीनी के घरेलू उत्पादन में कमी, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी के दामों में वृद्धि आदि को बताते हुए इससे स्पष्ट रूप से इन्कार किया है कि पेट्रोल में एथनाल की मिलावट से ऐसा हुआ है।

उसके अनुसार एथनॉल के लिए इस्तेमाल होने वाली चीनी का हिस्सा घटा है। उसने यह भी साफ किया कि देश में उत्पादित होने वाले एथनाल का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा अनाज और खास तौर पर मक्के से आता है। इस सबके बाद भी उसे यह आभास होना चाहिए था कि त्योहारों को देखते हुए चीनी की मांग बढ़ेगी और जमाखोरी करने वाले इसका लाभ उठा सकते हैं। ध्यान रहे कि एक बार जब किसी आवश्यक वस्तु के दाम बढ़ने लगते हैं तो उन्हें यकायक रोकना संभव नहीं होता। देखना है कि सरकार ने चीनी के बढ़ते दामों पर लगाम लगाने के लिए दस लाख टन चीनी का आयात करने, डीलरों के लिए भंडारण सीमा तय करने और जमाखोरों के खिलाफ कार्रवाई करने के जो कदम उठाए हैं, उनके अपेक्षित परिणाम मिल पाते हैं या नहीं?

हालांकि सरकार ने यह स्पष्ट किया कि चीनी के मूल्य बढ़ने का कारण एथनाल नीति नहीं है, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल यही साबित करने में जुट गए हैं। उन्हें यह मौका इसलिए भी मिला, क्योंकि खुद सरकार ने यह माना कि एथनाल मिश्रित पेट्रोल से वाहनों के माइलेज में कमी आती है। सरकार ने जिस तरह यह रेखांकित किया कि एथनाल नीति से चीनी उद्योग को लाभ मिला है और चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति सुधरने के साथ गन्ना किसानों को भुगतान की समस्या का समाधान करने में आसानी हुई है, उससे ऐसा लगता है कि वह अपनी इस नीति पर पुनर्विचार नहीं करने वाली। यदि यह मान लिया जाए कि एथनाल नीति चीनी के मूल्य बढ़ने का कारण नहीं है तो भी इसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती कि ई-20 ईंधन विवाद का मुद्दा बन गया है। यह सही है कि एथनाल नीति से पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में खपने वाली विदेशी मुद्रा बचाने में सफलता मिली है, लेकिन यह सही समय है कि इस नीति पर नए सिरे से विचार किया जाए और यह देखा जाए कि विदेशी मुद्रा की जो बचत हो रही है, वह कुल मिलाकर कितनी प्रभावी सिद्ध हो रही है। यह भी देखना होगा कि एथनाल नीति खाद्य सुरक्षा के लिए कोई संकट तो पैदा नहीं करने वाली। इसका आकलन भी किया जाना चाहिए कि क्या ई-20 ईंधन पर्यावरण की रक्षा में सहायक बन पा रहा है?

झारखंड छात्र आंदोलन : जीत किसकी हुई और ठगा कौन गया?

> छात्र आंदोलन की प्रमुख मांगों में पूर्व में हुई नियुक्तियों को रद्द करना और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराना प्रमुख था। सरकार ने कैबिनेट की बैठक बुलाकर पूर्व की नियुक्तियों को रद्द करने का निर्णय लिया।

झारखंड में पिछले 26 दिनों से चल रहा छात्र आंदोलन अंततः जयपाल सिंह स्टेडियम से समाप्त हो गया। आंदोलन समाप्त होने के बाद छात्र अपने-अपने घर लौट गए, धरना स्थल पर लगे टेंट हटा दिए गए और कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि लंबे समय से चले आ रहे इस संघर्ष का पटाक्षेप हो गया है। आंदोलनकारी छात्रों ने इसे अपनी बड़ी जीत बताया और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया। छात्र संगठनों की ओर से आभार यात्रा निकाली गई और यह संदेश दिया गया कि सरकार ने उनकी प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया है तथा यह छात्र एकता की जीत है। लेकिन घटनाक्रम ने आंदोलन समाप्त होने के तुरंत बाद जिस तरह करवट बदली, उसने इस पूरे प्रकरण को एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है।

सरकार के इस फैसले के बाद आंदोलनकारी छात्रों के बीच उत्साह का माहौल बना और उन्होंने इसे अपनी मांगों की बड़ी सफलता माना। मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया गया और आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी गई। यहां तक तो पूरी कहानी छात्रों की जीत जैसी दिखाई दे रही थी लेकिन सरकार के इस फैसले का दूसरा पहलू उन हजारों लोगों के रूप में सामने आया, जिन्हें पूर्व में नियुक्त किया गया था और जिनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। अचानक नौकरी चली जाने के बाद इन कर्मचारियों और अभ्यर्थियों के सामने अपने भविष्य, परिवार और रोजगार का गंभीर संकट खड़ा हो गया। परिणाम यह हुआ कि एक आंदोलन समाप्त होते ही दूसरा आंदोलन शुरू हो गया और बड़ी संख्या में प्रभावित कर्मचारी सड़क पर उतर आए।

यहीं से पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण और चिंताजनक अध्याय शुरू होता है। जिन नियुक्त कर्मियों की सेवाएं सरकार ने समाप्त की थीं, उन्होंने अपने अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। 20 अगस्त को इस मामले में झारखंड हाईकोर्ट का हस्तक्षेप सामने आया और सरकार द्वारा सेवा समाप्त किए जाने संबंधी आदेश के क्रियान्वयन पर तत्काल रोक लगा दी गई। इस न्यायिक घटनाक्रम ने उस राजनीतिक और सामाजिक समीकरण को ही बदल दिया, जिसके आधार पर छात्र आंदोलन समाप्त हुआ था। जिस सरकारी फैसले को छात्र अपनी जीत मानकर आंदोलन समाप्त कर चुके थे, उसी फैसले पर न्यायालय की रोक लग गई। ऐसे में स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठना ही चाहिए कि आखिर जीत किसकी हुई? क्या यह छात्रों की जीत थी? क्या यह सरकार की रणनीतिक जीत थी? क्या प्रभावित कर्मचारियों को न्यायालय के आदेश से मिली राहत उनकी जीत है? अथवा इस पूरे मामले में अभी किसी की भी अंतिम जीत नहीं हुई है और वास्तविक फैसला न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही सामने आएगा? यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आंदोलन की समाप्ति के समय छात्रों में जिस उत्साह का वातावरण था, हाईकोर्ट के आदेश के बाद वही फैसला एक अलग कानूनी और संवैधानिक प्रश्न बन गया है।

पूरे घटनाक्रम को यदि राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो सरकार ने निश्चित रूप से तत्काल पैदा हुए संकट को संभालने में सफलता हासिल की है। छात्र आंदोलन लगातार लंबा खिंच रहा था। सरकार के खिलाफ छात्रों का आक्रोश बढ़ रहा था और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग तक पहुंच चुका था। मुख्यमंत्री आवास के घेराव का अल्टीमेटम दिया जा चुका था। ऐसे समय में सरकार के सामने राजनीतिक रूप से एक गंभीर चुनौती खड़ी थी। इसी बीच कैबिनेट की बैठक बुलाकर पूर्व की नियुक्तियों को रद्द करने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय ने आंदोलनकारी छात्रों को तत्काल संतुष्ट कर दिया और आंदोलन समाप्त हो गया। सरकार के खिलाफ बन रहा दबाव अचानक कम हो गया। मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग पीछे चली गई और जिस जयपाल सिंह स्टेडियम में कई दिनों से आंदोलन का केंद्र बना हुआ था, वह खाली हो गया।

राजनीति में इसे संकट प्रबंधन की एक प्रभावी रणनीति के रूप में देखा जा सकता है। सरकार ने छात्रों की सबसे बड़ी मांग पर निर्णय लिया, छात्र संतुष्ट हुए, आंदोलन समाप्त हुआ और सरकार को तत्काल राजनीतिक राहत मिल गई लेकिन इसी निर्णय का दूसरा पक्ष उन कर्मियों के रूप में सामने आया जिनकी सेवाएं समाप्त हुईं। वे सड़क पर आ गए और उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय ने सरकार के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी। अब स्थिति ऐसी बन गई है कि सरकार द्वारा लिया गया फैसला कानूनी चुनौती के सामने है और छात्र आंदोलन भी समाप्त हो चुका है। इसीलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि सरकार तत्काल राजनीतिक संकट से बाहर निकलने में सफल रही, लेकिन नियुक्तियों का विवाद अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।

इसे एक राजनीतिक मुहावरे में समझें तो स्थिति कुछ ऐसी दिखाई देती है कि सरकार ने एक तरफ आंदोलन का दबाव कम कर दिया और दूसरी तरफ अब पूरा मामला न्यायालय की प्रक्रिया में चला गया। यदि न्यायालय आगे इस मामले में कोई अलग निर्णय देता है, तो सरकार के पास यह कहने का आधार रहेगा कि उसने अपने स्तर पर कार्रवाई की थी और अब मामला न्यायालय के अधीन है। इस दृष्टि से देखा जाए तो तत्काल राजनीतिक संकट सरकार के सिर से टल गया। लेकिन इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि सरकार की कानूनी जिम्मेदारी समाप्त हो गई है। न्यायालय के आदेश के बाद सरकार को अब पूरे मामले में अत्यंत सावधानी और संवैधानिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना होगा। दूसरी ओर, छात्रों के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। किसी आंदोलन में सरकार से आदेश जारी करवाना निश्चित रूप से एक उपलब्धि हो सकती है, लेकिन अंतिम जीत तभी मानी जाती है जब वह निर्णय कानून और न्यायालय की कसौटी पर भी कायम रहे। यदि किसी निर्णय पर अदालत रोक लगा देती है तो आंदोलनकारियों को यह समझना होगा कि केवल राजनीतिक घोषणा या सरकारी आदेश को अंतिम सफलता मान लेना उचित नहीं है।

अशोक कुमार झा

कीमतों के इस ...

अशोक भाटिया

त्योहारों की मिठास पर महंगाई का साया चीनी के बढ़ते दामों पर कब लगेगी लगाम?

भारत में त्योहारों का आगमन केवल सांस्कृतिक उल्लास का प्रतीक नहीं होता, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था, विशेषकर घरेलू उपभोग और खुदरा बाजार के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। रक्षाबंधन से लेकर दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा तक चलने वाला यह लंबा त्योहारी सीजन देश के आर्थिक चक्र को गति देता है। लेकिन पिछले कुछ समय से इस त्योहारी उल्लास पर कड़वी महंगाई का साया मंडरा रहा है। आम आदमी की रसोई से लेकर हलवाइयों और बड़े खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों तक, हर जगह एक ही सवाल गूंज रहा है— चीनी के बढ़ते दामों पर कब और कैसे लगाम लगेगी?

पिछले कुछ हफ्तों में देश के विभिन्न हिस्सों में चीनी की खुदरा कीमतों में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। जो चीनी कुछ समय पहले तक 40 से 42 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में मिल रही थी, वह अब कई खुदरा बाजारों में 52 से 56 रुपये और कुछ प्रीमियम शहरी इलाकों में 65 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच चुकी है। त्योहारों के ठीक पहले कीमतों में यह वृद्धि केवल एक सांख्यिकीय आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों मध्यमवर्गीय और निम्न-आय वर्ग के परिवारों के बजटीय संतुलन को बिगाड़ने वाली एक कड़वी हकीकत है।

कृषि, पर्यावरण और बाजार की विसंगतियों के एक जटिल ताने-बाने ने मिलकर चीनी के बाजार को प्रभावित किया है। इस संकट की पहली और सबसे प्रमुख जड़ अल-नीनो के प्रभाव और देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में असमान मानसून के कारण गन्ने की फसल का प्रभावित होना है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे शीर्ष उत्पादक राज्यों में कम बारिश के चलते गन्ने के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है। जब भी कृषि आधारित किसी भी उत्पाद का उत्पादन घटने की आशंका होती है, तो बाजार में एक मनोवैज्ञानिक कमी पैदा हो जाती है, जिसका सीधा असर कीमतों पर पड़ता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण गन्ने का एथेनॉल उत्पादन की ओर डाइवर्ट होना भी रहा है। सरकार की हरित ऊर्जा नीति के तहत पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारी मात्रा में गन्ने के रस और शीरे का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, यह कदम देश के कच्चे तेल के आयात बिल को कम करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए दीर्घकालिक रूप से बेहद जरूरी है, लेकिन अल्पकालिक रूप से इसने खाद्य चीनी की उपलब्धता पर दबाव बनाया है। जब मिलें चीनी बनाने के बजाय एथेनॉल बनाने को प्राथमिकता देने लगती हैं, तो बाजार में चीनी की तात्कालिक आपूर्ति प्रभावित होना स्वाभाविक है।

जैसे ही बाजार को यह संकेत मिलता है कि आगामी सीजन में उत्पादन कम रह सकता है, वैसे ही बाजार के कुछ अवांछित तत्व सक्रिय हो जाते हैं। थोक व्यापारी, बड़े डीलर और कुछ खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां भविष्य में और अधिक दाम बढ़ने की उम्मीद में चीनी का स्टॉक जमा करना शुरू कर देते हैं। इस कृत्रिम कमी के कारण थोक बाजारों में दाम रातों-रात बढ़ जाते हैं, जिसका खामियाजा अंततः खुदरा उपभोक्ता को भुगतना पड़ता है। त्योहारों के समय मिठाई निर्माताओं, बेकरियों और शीतल पेय कंपनियों की तरफ से चीनी की मांग सामान्य दिनों की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। मांग में इस मौसमी वृद्धि और आपूर्ति में सट्टेबाजी के गठजोड़ ने ही इस बार कीमतों को बेकाबू कर दिया है।

कीमतों के इस बेकाबू रथ को रोकने के लिए सरकार ने हाल ही में कुछ अत्यंत सख्त और नीतिगत कदम उठाए हैं, जिन्हें इस संकट के समाधान की दिशा में एक बड़ा 'डैमेज कंट्रोल' माना जा सकता है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय और खाद्य मंत्रालय ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कई मोर्चों पर एक साथ कार्रवाई शुरू की है। सबसे पहला और कड़ा प्रहार जमाखोरों पर किया गया है। सरकार ने चीनी के लिए नई 'स्टॉक लिमिट' लागू कर दी है। इसके तहत, जो भी बड़े खाद्य निर्माता या बल्क कंज्यूमर्स महीने में 10 टन से अधिक चीनी का उपयोग करते हैं, वे अब 1 सितंबर से 30 नवंबर तक अपनी 15 दिनों की खपत से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकते। पहले यह सीमा 30 दिनों की थी, जिसे आधा कर दिया गया है ताकि मिलों और गोदामों में बंद चीनी बाजार में आने के लिए मजबूर हो। इसी तरह, डीलर और ट्रेडर के लिए भी अधिकतम 4000 क्विंटल (400 टन) की स्टॉक सीमा तय कर दी गई है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य बाजार में चीनी के कृत्रिम अभाव को पूरी तरह समाप्त करना है।

कृषि मॉडल...

सीमा गुप्ता

जैविक एवं प्राकृतिक खेती से आत्मनिर्भरता की बनायी बड़ी मिसाल

प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में धारणीय कृषि ;ैनेजंपदंइसम ।हतपबनसजनत-मद्ध, मृदा स्वास्थ्य संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण तथा कृषकों की आर्थिक समृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्राथमिकता के आधार पर निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता घटाकर पारंपरिक तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को मुख्यधारा में स्थापित करने के लिए अनेक दूरगामी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। इन नीतिगत पहलों के परिणा-मस्वरूप प्रदेश में विषमुक्त, सुरक्षित खाद्यान्न उत्पादन और कृषि लागत में कमी की एक नई कार्यसंस्कृति विकसित हो रही है। राज्य सरकार के इन प्रयासों का प्रत्यक्ष और सकारात्मक प्रभाव जनपदों में धरातल पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है। इसी क्रम में जनपद प्रतापगढ़ अंतर्गत विकास खण्ड मंगरौरा के ग्राम भदौना निवासी युवा कृषक उत्कृष्ट पाण्डेय ने जैविक कृषि मॉडल को अपनाकर न केवल अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है, बल्कि वे समूचे क्षेत्र के काश्तकारों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरे हैं। उनकी सफलता इस तथ्य को पुष्ट करती है कि आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सटीक प्रबंधन और प्रकृति-अनुकूल सोच के साथ की गई खेती सम्मानजनक आय तथा आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम है। उत्कृष्ट पाण्डेय ने लगभग एक दशक पूर्व पैरामिलिट्री में राजपत्रित अधिकारी पद की सेवा छोड़कर गृह जनपद लौटने और कृषि को पूर्णकालिक व्यवसाय बनाने का साहसिक निर्णय लिया। उन्होंने पारंपरिक रासायनिक खेती के स्थान पर पूर्णतः जैविक कृषि को अपनाया और 'ऋषि ग्राम ऑर्गेनिक्स मण्डल' की स्थापना की। वर्तमान में वे समन्वित कृषि प्रणाली, पौध उत्पादन, मूल्य संवर्धन और विपणन के जरिए प्रतिवर्ष 10 से 12 लाख रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं।

रासायनिक आदानों (केमिकल इनपुट) के दुष्प्रभावों को देखते हुए उन्होंने अपने फार्म को एक समग्र जैविक मॉडल के रूप में विकसित किया है। फार्म पर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए जीवामृत, घनजीवामृत और कम्पोस्ट का नियमित प्रयोग किया जा रहा है, जिससे भूमि में जैविक कार्बन का स्तर सुधरा है। यहां मौसमी खाद्यान्न, दलहन, तिलहन और औषधीय फसलों का चक्रानुक्रम में उत्पादन किया जा रहा है।

प्रतापगढ़ के इस कृषि मॉडल की प्रमुख उपलब्धियों में सफेद चन्दन का रोपण शामिल है। फार्म परिसर में लगभग 2500 सफेद चन्दन के वृक्ष रोपित किए गए हैं, जो दीर्घकालिक निवेश की दृष्टि से अत्यंत लाभकारी हैं। चन्दन की स्थानीय स्तर पर उपलब्धता सुनिश्चित करने और अन्य काश्तकारों को जोड़ने के लिए परिसर में ही उच्च गुणवत्तायुक्त पौधशाला भी विकसित की गई है, जहाँ से क्षेत्रीय किसानों को प्रामाणिक पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। औषधीय फसलों के विविधीकरण के अंतर्गत लगभग दो एकड़ क्षेत्रफल में पीली, काली एवं कस्तूरी हल्दी की सघन खेती की जा रही है। औषधीय गुणों से युक्त इन विशिष्ट प्रजातियों की बाजार में अत्यधिक मांग रहती है और सामान्य हल्दी की तुलना में बेहतर मूल्य प्राप्त होता है।

व्यक्तित्व का निखार

आज के युग में आम बोल चाल की भाषा में व्यक्तित्व का निखार में यह कहा जाता हैं की मानव ने जितना ज़्यादा से ज़्यादा अर्थ का संग्रह किया , करने में सफल हुआ , कर रहा हैं आदि उसी का ही व्यक्तित्व निखरा हुआ हैं बाक़ी किसी का नहीं हैं । कैसे , कब , किस तरीक़े से हुआ आदि में कोई नहीं जाता या यह सोचता ही नहीं हैं बस अर्थ का संग्रह हैं ना तो स्वतः ही उसका व्यक्तित्व बिना बोलें निखरा हुआ हैं । आज के युग में या संसार में अनगिनत लोग आते हैं परन्तु कुछ विशेष या विरले ही होते हैं जो अपने सुकर्मों (दृढ़निश्चय, सत्यता , नैतिकता , सकारात्मकता रखना सदैव , ईमानदारी , सच्चाई को गले लगा और मज़बूत प्रमाणिक लक्ष्यों पे अडे. रहना समय कम ज़्यादा लगे अलग बात है , अर्थ कम ज़्यादा का महत्व नहीं परन्तु सत्यता का ज़्यादा महत्व होता है , सत्य के मार्ग पर चारों और से हर तरीक़े से काँटे डाल दिये जाए व जानबूझकर नीचा दिखाया जाये इसमें परिवार , समाज आदि सभी की कोई भी क्यों नहीं हो बाधाये , विघ्न आदि कितने आये तो भी विचलित नहीं होते आदि) से या साधना के पथ पर आरूढ़ हो मुनि दीक्षा ग्रहण कर अपना यह अमूल्य जीवन साज़ - सँवार लेते हैं व अपना जीवन सफल कर लेते हैं। कुछ ऐसे भी होते हैं जो इसे यों ही भौतिक चकाचौंध आदि में या ना समझी में या कोई करना चाहता है तो जानबुझकर उसको निचा दिखाने के लिए ख़ुद का भी व सामने वाले का भी व उसके करने की चाह होते हुए भी उसके पास कोई उपाय नहीं होता है जीवन व्यर्थ कर गँवा देते हैं या यो कहे की हम तो डुबेगे ही तुम भी हमारे साथ डुबो और वो आयुष्य पूर्ण कर चले जाते हैं। जाने के बाद किसी को भी वो याद ही नहीं आते हैं यह है हर आम आदमी की जीवन की कहानी या कड़वी सच्चाई यह कैसी जिन्दगानी ? अफसोस है पाया है हमने इतना मूल्यवान जीवन, उसे गँवा रहे हैं ग़लत तरीक़ों में लगा कर मन? होना तो यह चाहिए की हम कुछ ऐसे सुकृत्य कर जाएँ कि जाने के बाद आपकी याद रहे जन-जन के दिल में सदा-सदा के लिये निरन्तर आबाद।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

उत्तर प्रदेश में बाघों ...

रवि यादव

प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण, जनभागीदारी और बेहतर प्रबंधन से बढ़ी राष्ट्रीय पशु बाघों की संख्या

भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ केवल वन्यजीव नहीं, बल्कि देश की जैव विविधता, प्राकृतिक संतुलन और समृद्ध पारिस्थितिकी का प्रतीक है। किसी भी क्षेत्र में बाघों की मौजूदगी यह संकेत देती है कि वहां का जंगल, जल स्रोत, वनस्पति और वन्यजीव श्रृंखला स्वस्थ एवं संतुलित है। यही कारण है कि बाघ संरक्षण को विश्वभर में जैव विविधता संरक्षण की सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में शामिल किया जाता है। उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में बाघ संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2018 की अखिल भारतीय बाघ गणना में जहां प्रदेश में 173 बाघ दर्ज किए गए थे, वहीं 2022 की गणना में उनकी संख्या बढ़कर 205 हो गई। यह वृद्धि वन्यजीव संरक्षण की नीति बेहतर वन प्रबंधन, वैज्ञानिक संरक्षण, जनभागीदारी और सरकार की सतत वन्यजीव संरक्षण नीति का परिणाम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश न केवल बाघों की संख्या बढ़ाने में सफल हुआ है, बल्कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने, स्थानीय समुदायों को संरक्षण से जोड़ने और आधुनिक तकनीक के उपयोग के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण का एक प्रभावी मॉडल भी प्रस्तुत कर रहा है। बाघों की संख्या में वृद्धि किसी संयोग का परिणाम नहीं होती। इसके लिए वर्षों तक सतत प्रयास, वैज्ञानिक प्रबंधन, मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और प्राकृतिक आवास का संरक्षण आवश्यक होता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इन्हीं पहलुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। प्रदेश में बाघों के प्राकृतिक आवास का बेहतर प्रबंधन, प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था, अवैध शिकार पर नियंत्रण तथा जंगलों के संरक्षण के कारण प्रदेश में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित अवधि से पहले ही बाघ संरक्षण के लक्ष्य प्राप्त करने के कारण पीलीभीत टाइगर रिजर्व को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। वन विभाग ने केवल बाघों की सुरक्षा तक ही अपने प्रयास सीमित नहीं रखे, बल्कि उनके प्राकृतिक भोजन जैसे हिरण और अन्य शाकाहारी वन्यजीवों-की संख्या बढ़ाने के लिए भी विशेष कार्य किए। इसके लिए घास के मैदानों (ग्रासलैंड) का विकास, जल स्रोतों का संरक्षण, प्राकृतिक वनस्पतियों का संवर्धन तथा आवास सुधार जैसे अनेक कदम उठाए गए है।

उत्तर प्रदेश में बाघों की आबादी का सफर लगातार प्रगति की कहानी रही है। वर्ष 2006 में प्रदेश में 109 बाघ दर्ज किए गए। वर्ष 2010 में यह संख्या बढ़कर 118 हुई। वर्ष 2014 में 117 बाघ दर्ज हुए। वर्ष 2018 में संख्या बढ़कर 173 हो गई। वर्ष 2022 में यह आंकड़ा 205 तक पहुंच गया। यह वृद्धि स्पष्ट करती है कि प्रदेश में संरक्षण की योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हुई हैं और उनका सकारात्मक परिणाम सामने आया है। प्रदेश में वर्तमान समय में चार प्रमुख - 'दुधवा टाइगर रिजर्व, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, 'अमानगढ़ टाइगर रिजर्व, 'रानीपुर टाइगर रिजर्व वन है। भारत में वर्तमान समय में 58 टाइगर रिजर्व हैं, जिनमें रानीपुर टाइगर रिजर्व देश का 53वां टाइगर रिजर्व है। वर्ष 2022 में इसकी स्थापना उत्तर प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। इससे बुंदेलखंड क्षेत्र की जैव विविधता को नया संरक्षण मिला और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में प्रदेश की भूमिका और मजबूत हुई। वन्यजीव संरक्षण तभी सफल हो सकता है जब स्थानीय समुदाय भी उसका हिस्सा बने। इसी सोच के साथ वर्ष 2019 में पीलीभीत टाइगर रिजर्व में "बाघ मित्र" कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य था-मानव और बाघ के बीच होने वाले संघर्ष को कम करना तथा ग्रामीणों को वन्यजीव संरक्षण का सहभागी बनाना। आज यह पहल उत्तर प्रदेश की सबसे सफल जनभा-गीदारी आधारित संरक्षण योजनाओं में गिनी जाती है। कार्यक्रम की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी अपने लोकप्रिय कार्यक्रम "मन की बात" में "बाघ मित्र" पहल की सराहना की थी। यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय है कि स्थानीय स्तर पर शुरू हुई पहल राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने में सफल रही।

समय के साथ इस अभियान को तकनीक से भी जोड़ा गया। अक्टूबर 2023 में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने पीलीभीत में "बाघ मित्र ऐप" का शुभारंभ किया। इस मोबाइल एप के माध्यम से ग्रामीण यदि किसी बाघ अथवा अन्य वन्यजीव को जंगल से बाहर देखते हैं तो उसकी तस्वीर खींचकर तुरंत एप पर अपलोड कर सकते हैं। इससे वन विभाग को तत्काल सूचना मिल जाती है। पहले कई बार ग्रामीण जानवर की सही पहचान नहीं कर पाते थे, जिससे भ्रम की स्थिति बनती थी। अब फोटो के आधार पर विभाग तुरंत पहचान कर लेता है कि वह बाघ है या कोई अन्य वन्यजीव। साथ ही उसकी लोकेशन भी प्राप्त हो जाती है, जिससे निगरानी दल तुरंत मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करता है। तकनीक और जनभागीदारी का यह समन्वय मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में अत्यंत प्रभावी साबित हुआ है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व ने आसपास के गांवों के लोगों को जोड़कर एक मजबूत सामुदायिक नेटवर्क तैयार किया है। वर्तमान में 120 "बाघ मित्र" इस अभियान से जुड़े हुए हैं। इनमें महिलाएं, युवा और वरिष्ठ नागरिक भी शामिल हैं। वन क्षेत्र से लगभग पांच किलोमीटर तक स्थित गांवों के लोगों को विशेष प्रशिक्षण देकर बाघ मित्र बनाया गया है।

बैठक में मुख्य सचिव ने कहा, वायु प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ की जाए कार्रवाई

एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश

समीक्षा

- अधिकारियों ने बैठक कर बनाई रणनीति, संबंधित विभाग नामित करे नोडल अधिकारी
- पराली प्रबंधन में उपलब्ध संसाधनों और मशीनरी की कमी को दूर करने के लिए टेंडर प्रक्रिय जल्द पूर्ण करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए है। अभी हाल ही में मुख्य सचिव ने पराली प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। बैठक में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष रूप से पराली प्रबंधन के लिए उपलब्ध संसाधनों और कृषि मशीनरी की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि किसानों को पराली प्रबंधन में किसी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए आवश्यक बेलर एवं अन्य कृषि मशीनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मशीनरी की कमी को दूर करने के लिए लंबित टेंडर प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए खेत स्तर पर निगरानी बढ़ाई जाए और किसानों को पराली न जलाने के लिए जागरूक किया जाए। इसके साथ ही पराली प्रबंधन के उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। बैठक में वायु प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को कहा गया कि प्रदूषण मानकों का उल्लंघन करने वाली औद्योगिक इकाइयों की नियमित जांच की जाए तथा नियमों का पालन न करने वाले उद्योगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया गया। निर्देश दिए गए कि संबंधित प्रत्येक विभाग द्वारा नोडल अधिकारी नामित किया जाए, ताकि वायु प्रदूषण की रोकथाम से जुड़े कार्यों की प्रभावी निगरानी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

प्रभावी प्रबंधन के लिए आवश्यक कदम तत्काल उठाए जाएं

मुख्य सचिव ने धान की पराली (पैडी स्ट्रॉ) के प्रबंधन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इसके प्रभावी प्रबंधन के लिए आवश्यक कदम तत्काल उठाए जाएं। पराली प्रबंधन में उपलब्ध संसाधनों और मशीनरी की कमी को दूर करने के लिए बेलर एवं अन्य आवश्यक कृषि मशीनों की व्यवस्था हेतु टेंडर प्रक्रिया समय से पूर्ण कराई जाए, ताकि फसल अवशेषों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सड़क विकास एवं रखरखाव कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि रोड रिडेवलपमेंट तथा रोड डस्ट की रोकथाम से संबंधित आवश्यक टेंडर समय से कराकर कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराया जाए। उन्होंने गड्ढों (पॉटहोल्स) की मरम्मत तथा क्षतिग्रस्त फुटपाथों के पुनर्स्थापन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए।

> मुख्य सचिव ने कहा कि लोक निर्माण, नगर निकायों/स्थानीय निकायों, हाउसिंग एवं अर्बन से जुड़े विभागों की क्षतिग्रस्त सड़कों की सूचना संबंधित विभागों को तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य समयबद्ध रूप से कराया जा सके। वायु प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और उन्हें प्रदूषण की रोकथाम के लिए आवश्यक उपकरण स्थापित करने हेतु निर्देशित किया जाए।

19 पदक जीतने वाली दीप्ति शर्मा धरने में शामिल

एमबीबीएस-बीडीएस इंटर्न डॉक्टरों का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में शनिवार को KGMU के गेट नंबर-1 पर MBBS और BDS इंटर्न डॉक्टरों ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर धरना दिया। इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें अभी करीब 12 हजार रुपए महीने मिलते हैं। इसे बढ़ाकर 30 हजार रुपए करने की मांग है। प्रदर्शन में 19 पदक जीतने वाली मेधावी छात्रा दीप्ति शर्मा भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई में मौजूदा स्टाइपेंड जरूरतों के हिसाब से काफी कम है। प्रदर्शन में KGMU के अलावा लोहिया संस्थान, गोरखपुर, मेरठ समेत अन्य मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न डॉक्टर भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई में मौजूदा स्टाइपेंड काफी कम है। इंटर्न डॉक्टरों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द उनकी मांग नहीं मानी गई तो भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। उन्होंने स्टाइपेंड बढ़ाने पर जल्द फैसला लेने की मांग की। प्रदर्शन में KGMU के दीक्षांत समारोह में चांसलर और हीवेट समेत 19 पदक जीतने वाली मेधावी छात्रा दीप्ति शर्मा भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्टाइपेंड इंटर्न डॉक्टरों की जरूरतों के हिसाब से काफी कम है। इंटर्न डॉक्टरों के मुताबिक, बढ़ती महंगाई में 12 हजार रुपए महीना पर्याप्त नहीं है। कई छात्र आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं। ऐसे में हर महीने घर से पैसे मंगवाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि परिवार उनसे आर्थिक मदद की उम्मीद करता है, लेकिन कम स्टाइपेंड के कारण वे खुद परिजनों पर निर्भर हैं।

फास्ट न्यूज

काकोरी में 21 साल के युवक का शव मिला

दुबग्गा । लखनऊ में काकोरी के समदा गांव में शनिवार सुबह एक 21 साल के युवक का शव मिला। वह घर के पीछे बबूल के पेड़ से दुपट्टे के सहारे लटका था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान चंद्रशेखर उर्फ अंकित पुत्र रामसनेही के रूप में हुई है। वह मूलरूप से हरदोई के बेनीगंज के शादीपुर का रहने वाला था।

लखनऊ में छात्रा से 2 युवकों ने रेप किया

बख्शी का तालाब (लखनऊ)। लखनऊ में एक छात्रा से दो युवकों ने अलग-अलग समय पर बारी-बारी से रेप किया। एक ने इंस्टाग्राम पर दोस्ती की। छात्रा को मिलने बुलाकर नशीला पदार्थ पिलाकर रेप किया। इस बात को छात्रा ने डर की वजह से घर में नहीं बताई।

इस घटना के कुछ दिन बाद उस युवक के एक दोस्त ने छात्रा से इंस्टाग्राम पर दोस्ती की। उसने अपने दोस्त के लिए माफी मांगी। फिर उसने भी छात्रा से दोस्ती कर ली। कुछ दिन बाद उसने भी छात्रा को बुलाकर उसके साथ रेप किया। मामला गुडंबा इलाके का है। दो युवकों से रेप के बाद नाबालिग छात्रा ने अपने घर में आपबीती बताई।

लखनऊ पुलिस ने लौटाए 18 लाख के 100 गुम मोबाइल

मोहनलालगंज । लखनऊ में गुम मोबाइल को वापस पाने की उम्मीद छोड़ चुके लोगों को पुलिस ने राहत दी है। दक्षिणी जोन की साइबर सेल ने CEIR पोर्टल की मदद से अलग-अलग राज्यों और जिलों से 18 लाख रुपए कीमत के 100 मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को सौंप दिए। 2026 में अब तक पुलिस 61 लाख रुपए के 347 मोबाइल वापस करा चुकी है।

243 भैंसें नीलाम की जाएंगी 2 दिन अभियान चलाकर उठवाई थीं

1 भैंस का बेस प्राइस 21,000 रुपए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम अपने कांजी हाउस की 243 भैंसों की नीलामी करेगा। ये भैंसें पारा इलाके की अवैध रूप से चल रही डेयरियों से बीते दिनों उठाई थीं। इनमें 241 भैंस, 1 भैंसा और 1 पड़िया है। नगर निगम ने भैंस के लिए बेस प्राइस 21,000 रुपए रखा है। वहीं, नीलामी में शामिल होने के लिए 1 लाख 2 हजार रुपए धरोहर राशि जमा करनी होगी। नीलामी 24 अगस्त को होगी।

नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉक्टर अभिनव वर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान पकड़े गए अपदूषण कारक पशुओं यानी भैंसों को शहर के अलग-अलग कांजी हाउसों और गोशालाओं में रखा गया है।

मेयर और नगर आयुक्त का निर्देश है कि इन अवैध डेयरियों पर हुई कार्रवाई के दौरान पकड़े गए जानवरों को नीलाम किया जाएगा। इससे अवैध डेयरी संचालक इन जानवरों को दोबारा नहीं ले पाएंगे।

जिन पशुपालकों के ये मवेशी हैं, वे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस नीलामी प्रक्रिया में भाग नहीं ले पाएंगे। नीलामी में बोली लगाने के लिए 1,02,100 रुपए की धरोहर राशि नकद जमा करनी होगी। सबसे ज्यादा बोली लगाने वाले व्यक्ति के पक्ष में पशुओं की नीलामी की जाएगी। नीलामी समाप्त होने के बाद उच्चतम बोलीदाता को छोड़कर शेष सभी बोलीदाताओं की धरोहर राशि वापस कर दी जाएगी।

सपा का 6 एयरपोर्ट बंद होने का दावा

लखनऊ । लखनऊ में सपा मुख्यालय के बाहर शनिवार को एक होर्डिंग लगाकर यूपी में एयरपोर्ट घोटाले का आरोप लगाया गया। होर्डिंग के सबसे ऊपर लिखा- उत्तर प्रदेश में एयरपोर्ट घोटाला, करोड़ों खर्च, 6 एयरपोर्ट बंद, यह कैसा विकास?' इस होर्डिंग में 7 एयरपोर्ट के बनने और उनके निर्माण में आया खर्च भी लिखा गया है। होर्डिंग को सपा नेता हल्लूराम सुंदर यादव ने लगवाया है। इसके जरिये दावा किया गया है कि आरटीआई में यह खुलासा हुआ है। 2021 के बाद शुरू हुए 7 एयरपोर्ट में से 6 पर उड़ानें बंद हैं। होर्डिंग में दिखाया गया है कि अयोध्या, कुशीनगर, आजमगढ़, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और श्रावस्ती में 2021 से 23 तक एयरपोर्ट के निर्माण हुए। इनमें से 6 एयरपोर्ट पर उड़ाने बंद हैं, सिर्फ अयोध्या वाला चालू है। इन सभी एयरपोर्ट के आगे इनकी निर्माण की कीमत लिखी गई।

आईआईएम लखनऊ की विशेषज्ञता से मजबूत होंगे स्वयं सहायता समूहों के उद्यम

योगी सरकार में अब छोटे उद्यमों को बड़ा बनाएगा 'आईआईएम मॉडल'

- स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के उद्यमों को मिलेगी नई उड़ान
- तकनीकी सहयोग से ग्रामीण महिला उद्यमियों को मिलेगा सफलता का नया मंच

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण पर लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमियों को तकनीकी एवं व्यवसायिक सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) के अंतर्गत इन्क्यूबेशन सेंटर के शुभारंभ के लिए हरी झंडी दे दी गई है। केंद्र सरकार की स्वीकृति के बाद यह सेंटर समूह की महिलाओं द्वारा संचालित एवं स्थापित उद्यमों को मजबूत करने, उनका विस्तार करने तथा बाजार से जोड़ने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगा।

न्क्यूबेशन सेंटर को आईआईएम लखनऊ का तकनीकी सहयोग मिलेगा। इसके माध्यम से महिला उद्यमियों को बिजनेस प्लान, उत्पाद विकास, गुणवत्ता, ब्रांडिंग एवं पैकेजिंग, वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल तकनीक, बाजार संपर्क एवं उद्यम विस्तार जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ मार्गदर्शन और मेंटरिंग उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, संभावनाशील उद्यमों को विशेषज्ञों, वित्तीय संस्थानों एवं बाजार के अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

मिशन निदेशक अरुण कुमार ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अब केवल आजीविका गतिविधियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बड़ी संख्या में अपने उद्यम स्थापित कर रही हैं। इन्क्यूबेशन सेंटर इन उद्यमों को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन, विशेषज्ञ सहयोग और बाजार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

व्यवसाय की जरूरतों के अनुरूप मिलेगा व्यवसायिक सहयोग

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक अरुण कुमार ने बताया कि यह इन्क्यूबेशन सेंटर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को उद्यम की पहचान एवं स्थापना से लेकर उसके सुदृढ़ीकरण, विस्तार और बाजार तक पहुंच बनाने में सहयोग देगा। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिला उद्यमियों को केवल प्रशिक्षण तक सीमित न रखते हुए उनके वास्तविक व्यवसाय की जरूरतों के अनुरूप तकनीकी एवं व्यवसायिक सहयोग उपलब्ध कराना है।

किशोर न्याय अधिनियम के दस वर्ष पूरे

लखनऊ में राज्य स्तरीय हितधारक परामर्श आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के दस वर्ष पूरे होने के अवसर पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की किशोर न्याय समिति (HCJJC) द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश तथा यूनिसेफ, लखनऊ के सहयोग से न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में एक दिवसीय 'राज्य स्तरीय हितधारक परामर्श-2026' का आयोजन किया गया।

नालंदा सभागार में आयोजित उद्घाटन सत्र में इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एवं जेटीआर-आई के पदेन मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, वरिष्ठ न्यायाधीश एवं जेटीआरआई की पर्यवेक्षण समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राजन रॉय तथा उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अजय भनोट की गरिमामयी उपस्थिति रही। महिला एवं बाल विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी सहित अन्य विशिष्ट अतिथि और संबंधित हितधारक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। न्यायमूर्ति राजन रॉय ने भारत में किशोर न्याय व्यवस्था के विकास की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए युवा अपराधियों के लिए पृथक व्यवस्था से वर्तमान व्यापक बाल संरक्षण प्रणाली तक हुए बदलावों को रेखांकित किया। उन्होंने किशोर न्याय अधिनियम, 1960 से लेकर किशोर न्याय अधिनियम, 1986, बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय, 1989, किशोर न्याय अधिनियम, 2000 और किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 को इस विकास यात्रा के प्रमुख पड़ाव बताया।

बाल संरक्षण राज्य और समाज दोनों की वैधानिक एवं नैतिक जिम्मेदारी

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने कहा कि बाल संरक्षण राज्य और समाज दोनों की वैधानिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के दस वर्ष पूरे होने के अवसर पर बच्चों के सर्वोत्तम हित, गरिमा, पुनर्वास और पुनर्समेकन को दिए गए महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने किशोर न्याय बोर्डों (JJBs), बाल कल्याण समितियों (CWCs), बाल देखरेख संस्थानों, डिजिटल दत्तक ग्रहण प्रक्रियाओं तथा मजबूत निगरानी तंत्र के माध्यम से हुई संस्थागत प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अधिनियम के दस वर्ष पूरे होना केवल उपलब्धियों को स्वीकार करने का अवसर नहीं, बल्कि ईमानदारीपूर्वक यह मूल्यांकन करने का भी समय है कि कानून बच्चों के जीवन में वास्तविक और सार्थक बदलाव लाने में कितना सफल रहा है।

स्कूलों के दावों और जमीनी हकीकत में फर्क : संजय सिंह

जाति-धर्म से निकलकर शिक्षा पर हो रही राजनीति

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्कूलों की स्थिति को लेकर सरकार के दावों और जमीनी हकीकत में अंतर है। संजय सिंह ने दावा किया कि पार्टी के स्कूल ठीक करो अभियान के तहत अब तक करीब 55 सरकारी स्कूलों के वीडियो सामने आए हैं।

संजय सिंह ने कहा कि इन वीडियो में प्रदेश के अलग-अलग जिलों के सरकारी स्कूलों की स्थिति दिखाई गई है। सरकार टाइल्स, टॉयलेट और डेस्क-बेंच जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे करती है, लेकिन कई स्कूलों में बच्चों को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं। शिक्षा का मुद्दा अब राजनीति के केंद्र में आ रहा है। राजनीति जाति और धर्म से आगे बढ़कर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसे सवालों पर हो रही है। संजय सिंह ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सरकारी स्कूलों की व्यवस्था में सुधार जरूरी है। संजय सिंह ने बताया कि वाराणसी, गोरखपुर, अलीगढ़, नोएडा, गाजियाबाद और बागपत समेत कई जिलों से सरकारी स्कूलों के वीडियो भेजे गए हैं। उनका आरोप है कि कई जगह बच्चों के लिए जरूरी सुविधाएं तक नहीं हैं। कहीं क्लासरूम खराब हैं तो कहीं टॉयलेट की व्यवस्था ठीक नहीं है।

सुविधा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में पात्र लाभार्थियों तक पहुंच रहा पूरा हक

डिजिटल पीडीएस से पारदर्शी हुआ राशन वितरण

- ई-केवाईसी से लाभार्थियों का रिकॉर्ड हो रहा अपडेट, 99.99 प्रतिशत आधार फीडिंग, 99.98 प्रतिशत प्रमाणीकरण
- ऑनलाइन निगरानी से फर्जी लाभार्थियों पर लगाम, हर स्तर पर पारदर्शिता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में योगी सरकार की डिजिटल पहल महत्वपूर्ण साबित हो रही है। राशन वितरण व्यवस्था में लाभार्थियों की पहचान से लेकर दुकान के स्टॉक और वितरण तक की जानकारी ऑनलाइन दर्ज होने से पूरी प्रक्रिया की निगरानी आसान हुई है। इससे फर्जी लाभार्थियों और काल्पनिक वितरण जैसी अनियमितताओं पर अंकुश लगाने में मदद भी मिली है।

सरकारी व्यवस्था के तहत लाभार्थी की पहचान और उसके हिस्से के राशन का रिकॉर्ड डिजिटल रूप से दर्ज किया जाता है। राशन की दुकानों के स्टॉक तथा वितरण की जानकारी भी ऑनलाइन उपलब्ध रहती है। इससे संबंधित विभागीय अधिकारियों को वितरण व्यवस्था की निगरानी करने और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई करने में सुविधा मिलती है। विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पीडीएस में 99.99 प्रतिशत आधार फीडिंग और 99.98 प्रतिशत आधार प्रमाणीकरण का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है। आधार आधारित पहचान व्यवस्था ने राशन वितरण में लाभार्थियों की पहचान को और मजबूत आधार दिया है।सरकार की ओर से लगातार डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है।

योगी सरकार की पहल को मिली मजबूती

ई-केवाईसी से लाभार्थियों का रिकॉर्ड हो रहा अपडेट

पीडीएस व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए राशन कार्डों की ई-केवाईसी भी कराई जा रही है। आंकड़ों के अनुसार अब तक करीब 93.5 प्रतिशत राशन कार्डों की ई-केवाईसी पूरी हो चुकी है। इससे लाभार्थियों के रिकॉर्ड को अपडेट करने और वास्तविक पात्र लोगों की पहचान सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है। ई-केवाईसी की प्रक्रिया के जरिए राशन कार्ड में दर्ज लाभार्थियों के विवरण को अधिक विश्वसनीय बनाया गया। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी खाद्यान्न योजना का लाभ सही पात्र परिवारों तक पहुंचे और व्यवस्था में किसी तरह की अनियमितता की गुंजाइश कम हो।

युवा ऊर्जावान एवं हरित सोच वाली छात्राओं द्वारा पौधारोपण अभियान

पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की प्रतिबद्धता का प्रतीक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। जीसस एंड मैरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की युवा एवं ऊर्जावान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक 150 पौधों का रोपण किया। इनमें देशज वृक्ष, झाड़ियाँ, तितलियों के होस्ट पौधे तथा औषधीय पौधे शामिल थे, जैसे नीम, इमली, नींबू, सहजन, करी पत्ता, गुड़हल, अमरूद, देसी गुलाब, पत्थरचट्टा, अपराजिता, लेमन ग्रास एवं वज्रदंती।

जेन-ज़ी युवा पीढ़ी छात्राओं ने इन नन्हे पौधों को गर्वपूर्वक "गोद" लिया और उनके बड़े होने तक उनका पालन-पोषण एवं देखभाल करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह पहल छात्राओं की पर्यावरणीय जागरूकता, संवेदनशीलता तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय रूप से योगदान देने की उनकी इच्छाशक्ति को दर्शाती है। कॉलेज की प्रधानाचार्या, प्रो. सिस्टर मौली अब्राहम, ने बड़ी संख्या में उत्साही छात्राओं को पौधारोपण अभियान में एकजुट होकर भाग लेते देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इस पहल को छात्र समुदाय की पर्यावरणीय चेतना एवं संरक्षण के प्रति सक्रिय सहभागिता का प्रतीक बताया।

> यह उपलब्धि संस्थान को प्राप्त दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में तृतीय सर्वाधिक हरित एवं स्वच्छ परिसर (Third Most Green and Clean Campus) के प्रतिष्ठित सम्मान को भी सुदृढ़ करती है। यह सम्मान कॉलेज परिसर की उत्कृष्ट स्वच्छता, हरित परिवेश तथा सक्रिय सतत विकास पहलों को मान्यता देता है। कॉलेज द्वारा पर्यावरण-अनुकूल एवं छात्र-अनुकूल वातावरण के निर्माण के प्रयास पूरे कॉलेज समुदाय के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में स्थापित हो रहे हैं।

बेटा नहीं होने पर पत्नी-बेटी को मार डाला

वारदात

गाजियाबाद में पति ने चाकू से गोदा, छोटी बेटी किसी तरह जान बचाकर भागी

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । गाजियाबाद में बेटा नहीं होने पर एक व्यक्ति ने 35 साल की पत्नी और 15 साल की बेटी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। 14 साल की छोटी बेटी बचाने आई तो आरोपी ने उस पर भी चाकू से हमला किया। वह किसी तरह अपनी जान बचाकर घर से बाहर भागी और शोर मचाने लगी। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। शुक्रवार रात करीब 12 बजे की यह वारदात जिला मुख्यालय से 28 किलोमीटर दूर खोड़ा थाना क्षेत्र की लोकप्रिय विहार कॉलोनी में हुई। आरोपी की पहचान बिहार के अररिया निवासी राजा अंसारी (45) के रूप में हुई है।

वह खोड़ा मंडी में मुंशी का काम करता है और लोकप्रिय विहार कॉलोनी में किराए के मकान में परिवार के साथ रहता है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पत्नी तबस्सुम (35) और बेटी सना (15) के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए। घायल छोटी बेटी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजा अंसारी की छोटी बेटी ने बताया कि शुक्रवार देर रात किसी बात को लेकर मां और पापा के बीच झगड़ा हुआ था। उसके मुताबिक, बेटा नहीं होने को लेकर पापा अक्सर मां से लड़ाई करते थे। रात में भी दोनों इसी बात को लेकर झगड़ रहे थे। इसी दौरान गुस्से में पापा किचन में गए और चाकू लेकर आए। उन्होंने मां पर ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया। बड़ी बहन बचाने पहुंची तो उस पर भी हमला कर दिया। दोनों खून से लथपथ होकर गिर गईं। इसके बाद आरोपी छोटी बेटी के पीछे भी चाकू लेकर दौड़ा। वह चीखते हुए घर से बाहर भागी और पड़ोसियों को बताया, 'अब्बू ने अम्मी और बहन को चाकू मार दिया है।' इसके बाद पड़ोसियों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

> पड़ोसी बाबू खान के मुताबिक, राजा के परिवार के लोग बहुत कम घर से बाहर निकलते थे और लोगों से उनका कम मिलना-जुलना था। शुक्रवार रात करीब 12 बजे राजा के घर से चीख-पुकार की आवाजें आईं तो पड़ोसी दौड़कर पहुंचे। अंदर देखा तो राजा की पत्नी और बेटी खून से लथपथ पड़ी थीं।

पड़ोसी बोले- नशा करता है, पत्नी से झगड़ता था

पड़ोसियों के मुताबिक, राजा नशा करता है और उसका स्वभाव गुस्सैल है। उनका भी दावा है कि बेटा नहीं होने को लेकर वह अक्सर पत्नी से झगड़ता था। पड़ोसियों ने कई बार उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना।

हत्या की सूचना मिलने के बाद राजा अंसारी के घर के बाहर जमा लोगों की भीड़।

पुलिस को टक्कर मारने वाली कार से 10 किलोग्राम सोना निकला

चेंकिंग में पकड़ा गया, नेपाल-महाराजगंज के युवक ले जा रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज । कन्नौज में पुलिस को शुक्रवार रात 2 बजे एक ब्रेजा कार से 10 सोने के बिस्किट मिले हैं। जिनका कुल वेट 10 किलो बताया जा रहा है। पुलिस की टीम कांवड़ यात्रा की ड्यूटी करके वापस लौट रही थी, तभी आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर उनकी कार की टक्कर ब्रेजा से हो गई। हादसे में दोनों गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई।

पुलिस ने जब ब्रेजा कार में सवार लोगों का हालचाल पूछा तो दोनों कार सवार घबरा गए। शक होने पर पुलिस ने ब्रेजा की तलाशी ली। तलाशी में पुलिस को काले रंग के बैग से 10 सोने के बिस्किट मिले हैं। पुलिस ने जीएसटी विभाग को मामले की जानकारी दे दी है। टीम मामले की जांच कर रही है।

तालग्राम थाना की पुलिस ने सोना ले जा रहे दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया है। शुक्रवार रात 2 बजे सकरावा थाना प्रभारी भागमल सिंह कन्नौज में कांवड़ ड्यूटी से वापस लौट रहे थे। उनके साथ कार में सिपाही योगेंद्र कुमार, मोहन दिवाकर और महिला सिपाही रितुचाह सवार थीं। कार को सिपाही लोकेंद्र सिंह चला रहे थे।

जैसे ही पुलिस की कार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर निकवा गांव के पास किलोमीटर संख्या 171 के पास पहुंची। कभी उनकी कार की टक्कर एक ब्रेजा कार से हो गई। जिसके बाद ये पूरा मामला सामने आया है।

पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपी बिस्किट के बारे में सही जानकारी नहीं दे पाए। दोनों युवकों में एक युवक महाराजगंज और दूसरा युवक नेपाल का रहने वाला है।

फास्ट न्यूज

जिस बच्चे पर गिरा प्लास्टर, इलाज के दौरान उसकी मौत

आगरा। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी के बच्चा वार्ड में शुक्रवार दोपहर छत का मोटा प्लास्टर गिरने से घायल हुए 10 वर्षीय उमैर की शनिवार सुबह मौत हो गई। उमैर को गंभीर हालत में एक दिन पहले ही एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। वह गंभीर निमोनिया से पीड़ित था और बचपन से ही उसे दौरे पड़ते थे।

भाजपा पार्षद ने जोनल आफिस में डेढ़ घंटे दिया धरना

कानपुर । कानपुर के वार्ड-14 किदवई नगर सब्जी मंडी से भाजपा पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। 7 दिन के सफाई संकल्प के तहत शनिवार को अभियान के तीसरे दिन पार्षद ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद जोन-3 उस्मानपुर स्थित जोनल स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय पहुंचकर जमीन पर बैठकर करीब डेढ़ घंटे तक धरना दिया। पार्षद ने आरोप लगाया कि नगर निगम की लापरवाही से उनकी भारतीय जनता पार्टी को बदनाम किया जा रहा है।

कानपुर में जेन-अल्फा छात्र स्कूल के बाहर बैठे

कानपुर। कानपुर में शनिवार को जर्जर विद्यालय भवन की जगह नया भवन बनवाने की मांग को लेकर शनिवार को छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शन किया। स्कूल पहुंचे जेन-अल्फा बच्चों ने कक्षाओं में जाने से इनकार कर दिया। बाहर बैठकर करीब चार घंटे तक नारेबाजी की। दो कमरों में 122 बच्चों की पढ़ाई होने से छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

'मुख्तार का बेटा हूं, खून की आखिरी बूंद तक बहा दूंगा'

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। अब्बास अंसारी शुक्रवार को गाजीपुर के पडैनिया गांव में कारगिल शहीद रामदुलार यादव की 27वीं पुण्यतिथि पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने पिता को याद करते हुए कई बाते कहीं। उन्होंने कहा मैं उसी मुख्तार अंसारी का बेटा हूं। रगों में जो भी लहू है वो आपकी अमानत है जब जहां भी जरूरत है वसूल कर लेना। ये वादा है मेरा आपसे। ये मत सोचिएगा की आज वो आपके बीच नहीं हैं तो ये मनुवादी ताकत आपके ऊपर जुल्म करके हट जाएगी। मेरी रगों में भी वही लहू है जो आपने मुख्तार अंसारी में देखा था। यहां बहुत लोग ऐसे बैठे होंगे जिन्होंने मुख्तार अंसारी के किस्से सुने होंगे।

इस दौरान उन्होंने कहा, मैं अब्बास अंसारी आपसे वादा करता हूं। न हुनर में न ताकत में न किरदार में आपको कम मिलूंगा। कलेजे में वही ताकत है। जहां भी आपको जरूरत पड़ेगी अपने खून की आखरी बूंद तक आपके मान-सम्मान की रक्षा करेगा।

परिस्थितियों ने ऐसी करवट ली की आज वो हमसब के बीच नहीं। जो भी इंसान दुनिया में आया उसे एक दिन जाना है। वेद-पुराण लेलो ये कुरान ले लो सब में लिखा हुआ है। जो व्यक्ति दुनिया से गया है वो अपनी बहादुरी के किस्से छोड़ जाता है। मैं मऊ सदर का विधायक हूं। मैं अंसारी परिवार का सदस्य हूं।

> अब्बास बोले- मेरी रगों में उन्हीं का लहू, जब जरूरत हो वसूल लेना

गाजीपुर में युवक की हत्या घर से 200 मीटर दूर मिला शव

गाजीपुर । गाजीपुर में शुक्रवार देर रात युवक की हत्या हो गई। युवक का शव घर से 200 मीटर दूर नहर के पास सड़क किनारे पड़ा मिला। उसकी गर्दन पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने सुबूत इकट्ठा किए। मामला बरेसर थाना क्षेत्र का है। सिपाही गांव का रहने वाले प्रमोद राजभर (25) का शव घर से करीब 200 मीटर दूर मिला है। परिजनों के अनुसार, प्रमोद शुक्रवार शाम जहूराबाद बाजार सब्जी लेने गया था। वह रात करीब 8 बजे सब्जी लेकर घर लौटा और कुछ देर बाद बाहर चला गया।

खाना खाने के समय तक वापस नहीं आया, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रात करीब 10 से 11 बजे के बीच भाई प्रदीप ने प्रमोद के मोबाइल पर फोन किया, लेकिन वह बंद मिला। परिजन और ग्रामीण उसे ढूंढते हुए घर के पास नहर की सड़क की ओर पहुंचे।

कुएं में सबमर्सिबल पंप निकालने उतरे, भतीजे को बचाने में दोस्त और चाचा की जान गई

चंदौली में जहरीली गैस से तीन युवकों की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली । चंदौली में बंद कुएं में फंसा सबमर्सिबल पंप निकालने उतरे चार युवकों की जहरीली गैस से मौत हो गई। एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से सभी को कुएं से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां, डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया। चौथे युवक का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे शहाबगंज थाना क्षेत्र की है।

शमशेर अली (20) जो वारिस का दोस्त है वह भी उसे बचाने के लिए कुएं में उतरा था, लेकिन गैस की संभावना को देखते हुए वह बाहर निकल आया और बेहोश हो गया।

भाई बोला- मैंने भाई को मना किया था

किड़हिरा गांव में बसरूद्दीन अपने परिवार के साथ रहते हैं। घर में पत्नी और दो बेटे दानिश अली (22) और वारिस अली (18) हैं। बसरूद्दीन खेती-किसानी करते हैं। दानिश एसी रिपेयरिंग का काम करता है।

छोटा भाई वारिस भी उसके साथ हेल्पर के तौर पर काम करता था। उसने 12वीं तक पढ़ाई की है। शनिवार की सुबह दानिश के घर से 20 मीटर दूर कुएं में लगा सबमर्सिबल खराब हो गया था।

भतीजे को निकालने गए चाचा भी बहोश हुए

दानिश अली ने बताया- आज सुबह मेरे छोटे भाई वारिस अली ने फोन कर कहा कि कुएं से सबमर्सिबल पंप निकालना है। उस समय मैं वाराणसी में था। मैंने फोन पर वारिस से कहा कि उनके आने के बाद ही सबमर्सिबल पंप कुएं से निकाला जाएगा। इसके बावजूद दोपहर में वारिस अचानक कुएं में उतर गया। काफी देर तक वह बाहर नहीं आया तो उसका दोस्त तौकीर भी रस्सी के सहारे कुएं में उतर गया। दोनों काफी देर तक कुएं में ही रहे। यह देखकर मेरे चाचा आखिर जमा भी रस्सी के सहारे कुएं में उतर गए, लेकिन वह भी अंदर जाकर बेहोश हो गए।

केन-बेतवा परियोजना की मांग से समीक्षा बैठक तक

पूर्व सांसद कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल का जल संकट पर लगातार जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

खजुराहो/महोबा। बुंदेलखंड में सिंचाई और पेयजल संकट के स्थायी समाधान को लेकर लंबे समय से आवाज उठाते रहे हमीरपुर-महोबा-तिंदवारी क्षेत्र के पूर्व सांसद कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल ने शुक्रवार को खजुराहो एयरपोर्ट पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से भेंट की। इस दौरान बुंदेलखंड के विकास, जल संसाधनों के बेहतर उपयोग, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और किसानों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। पूर्व सांसद ने मुख्यमंत्री के साथ केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की समीक्षा बैठक में भी प्रतिभाग किया, जिसमें परियोजना की प्रगति और आगामी कार्यों को लेकर मंथन हुआ। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना को बुंदेलखंड के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जल संकट और सिंचाई की समस्या से लंबे समय से जूझ रहे इस क्षेत्र में परियोजना के माध्यम से सिंचाई का दायरा बढ़ाने, किसानों को जल उपलब्ध कराने तथा पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने की उम्मीद है। परियोजना के क्रियान्वयन से कृषि, रोजगार और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की संभावना है।

एमडीएम खाते में वित्तीय अनियमितता, प्रधानाचार्य निलंबित

गाजीपुर । गाजीपुर के सुभाष नगर महाजन टोली स्थित कंपोजिट विद्यालय के मिड-डे मील (MDM) खाते में वित्तीय अनियमितता और फर्जी मुहर के आरोप सिद्ध होने पर प्रधानाचार्य मनोज कुमार सिंह को निलंबित कर दिया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग ने यह कार्रवाई की है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपासना रानी वर्मा ने बताया कि जांच में प्रधानाचार्य के खिलाफ लगे आरोप सही पाए गए।

यह मामला विद्यालय के MDM खाते से वर्ष 2022 से 2026 के बीच हुए लेनदेन से संबंधित है।

इसमें 10 अगस्त 2023 को 45 हजार रुपये और 19 अक्टूबर 2023 को 9 हजार रुपये सहित कुल लगभग 6.97 लाख रुपये की नकद निकासी दर्ज है। इसी अवधि में, 24 अगस्त 2022 को 49,370 रुपये और 19 मई 2023 को 48,916 रुपये, यानी कुल 98,286 रुपये प्रधानाचार्य की पत्नी रेनू सिंह के एसबीआई खाते में NEFT के माध्यम से ट्रांसफर किए गए थे।

किसान ने 10 हजार में बुक किया, बोले- 10 साल की मेहनत रंग लाई

वीडीओ बने बेटे का हाथी पर बिठाकर ग्रैंड वेलकम

तमसा संकेत, एजेंसी

बस्ती। बस्ती में किसान पिता ने ग्राम विकास अधिकारी बनकर लौटे अपने बेटे का ग्रैंड वेलकम किया। उसे हाथी पर बिठाकर ढोल नगाड़ों के साथ घर लाया। इस दौरान गांव के लोग रास्ते में उसके स्वागत के लिए खड़े रहे। जुलूस में आगे बैंड-बाजा चल रहा था। पीछे ग्रामीणों की भीड़। हाथी पर सवार युवक को देखकर ग्रामीणों ने तालियां बजाकर बधाई दी। इसके बाद फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। इस हाथी को 10 हजार रुपये में बुक किया गया था। स्वागत के बाद पूरे गांव में मिठाई बांटी गई। पूरा मामला बस्ती जिले के हर्रैया थाना क्षेत्र का है। केशवपुर गांव के महेंद्र कुमार पांडे किसान हैं। परिवार में पत्नी के अलावा परिवार में दो बेटियां अन्नू, अंजू और तीन भाई अनूप, अवनीश और आशीष हैं। इनमें अवनीश (28) चौथे नंबर पर हैं। अवनीश दिल्ली में रहकर करीब 10 साल से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। एक महीने पहले उनका सेलेक्शन ग्राम विकास अधिकारी के पद पर हुआ। ये खबर जैसे ही महेंद्र को मिली तो वो खुशी से झूम उठे। उन्होंने बेटे के ग्रैंड वेलकम की तैयारी की। शुक्रवार को अवनीश पांडे ट्रेन से लखनऊ और वहां से कार से शाम को बस्ती अपने गांव पहुंचे। गांव के प्रवेश द्वार पर महेंद्र कुमार पांडे ने बेटे के स्वागत लिए परिवार के साथ हाथी और बैंड बाजा लेकर खड़े थे।

कई बार असफल हुए, हिम्मत नहीं हारी

अवनीश पांडे कक्षा आठ तक हर्रैया के गजाधर सिंह विद्यालय में पढ़े। इसके बाद उन्होंने राम कुमार विक्रम सिंह इंटर कॉलेज से इंटर पास किया। इसके बाद अवनीश ने लखनऊ विश्वविद्यालय में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद वे दिल्ली के मुखर्जी नगर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते रहे। इस दौरान उन्हें कई बार असफलता का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपनी मेहनत जारी रखी।

पृष्ठ 01 का शेष...

प्रदेश में पर्याप्त ...

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में कहा कि सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की चीनी मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख कुंतल (कुल 179.38 लाख कुंतल) चीनी प्रदेश में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जून व जुलाई में चीनी मिलों ने 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है, इसमें से अधिकांश चीनी अभी भी खुले बाजार में उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर 15 अक्टूबर से चीनी मिलों को संचालित किया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि पेराई सत्र 2026-27 के लिए 28.14 लाख हेक्टेयर गन्ना क्षेत्रफल संभावित है। इससे 90 लाख टन चीनी उत्पादन की संभावना है। उत्तर प्रदेश में प्रतिमाह अनुमानित चीनी खपत लगभग 4 लाख टन है। पेराई सत्र 2025-26 में 48 लाख किसानों को 32,554 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान भी किया गया है।

बीजेपी का मतलब...

कहा वो कह रहे हैं कि PDA में P फॉर पाकिस्तान है। तो मैं कहूंगा कि BJP का मतलब- भाग जाओ पाकिस्तान है। जितनी पीड़ा बढ़ेगी, उतना PDA आगे बढ़ेगा। PDA का मतलब यह भी है कि 'प्रेम, दया, अपनापन'।

दरअसल, सीएम योगी ने शुक्रवार को कहा था- ये गिरगिट की तरह रंग बदलने वाले लोग हैं। 'P' की परिभाषा पहले 'पिछड़ा' बताई, फिर 'पंडित' कर दिया। किसी दिन 'P' की परिभाषा 'पाकिस्तान' भी कर देंगे। महंगाई बढ़ गई है। चीनी के दाम आज क्या हैं?

अखिलेश ने कहा- मुझे बुलेटप्रूफ जैकेट नहीं मिली, मिलेगी तो जरूर बताएंगे। आप इनसे उम्मीद नहीं कर सकते। मुझे जो गाड़ियां दी थीं, सबसे खराब गाड़ियां थीं। उनको लेकर चलते, तो हम अलग चलते और सिक्योरिटी अलग। दरअसल, शुक्रवार को यूपी सरकार ने कहा था कि अखिलेश यादव, मायावती समेत 52 नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट दी गई है। इनमें 11 कैबिनेट मंत्री शामिल हैं। मंत्री संजय निषाद, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', ओपी राजभर और अपर्णा यादव को जैकेट मिल गई है।

सपा गठबंधन सपा कभी नहीं तोड़ती। हम किसी को नहीं छोड़ते, लोग छोड़कर गए हैं। तमाम दलों से कहूंगा कि सपा को घेरने के बजाय प्रदेश और केंद्र सरकार को घेरें। दरअसल, मायावती ने आज सपा पर गठबंधन तोड़ने का आरोप लगाया था। कहा था कि सपा के अहंकारी रवैए के चलते सपा-बसपा का 2 बार गठबंधन टूटा।

अखिलेश ने कहा- मेरठ के पूर्व SSP अविनाश पांडेय ने सपा नेता दिग्विजय भाटी और मोहित जाटव को इसलिए पीटा, क्योंकि वे दलित और गुर्जर थे। PDA परिवारों के बच्चों को अच्छी पढ़ाई न मिले, इसलिए जानबूझकर स्कूल बंद किए जा रहे। समाजवादी सरकार बनेगी, तो प्राइमरी स्कूलों की व्यवस्था सुधारने का काम करेंगे।

जयंत चौधरी की पार्टी रालोद को लेकर अखिलेश ने कहा- हमने उनको 30 सीट दी थीं, उन्हें भाजपा को 4 गुना सीट देनी चाहिए। अगर 120 सीटें नहीं मिलेंगी, तो चौधरी चरण सिंह और अजीत सिंह का अपमान होगा। अगर इतनी सीट नहीं मिलेंगी, तो हम लोग निंदा प्रस्ताव पास करेंगे।

देश की लड़कियों ...

राहुल ने कहा, 'जब यह पूछा जाता है कि आज भारत की ताकत क्या है, कोई सेना कहता है, कोई कुछ कहता है, लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि 70 करोड़ लोगों के सपने और विचार ही इसकी ताकत हैं।

लेकिन यहां आज एक समस्या है, वो यह है कि जब मैं बात करता हूं कि तो महिलाओं को 3 बॉक्स में रखा जाता है। एक पत्नी, एक बेटी और एक मां... ये गलत नहीं हैं।

मैं मनुस्मृति कहती है, जब लड़की छोटी होती है तो वह अपने पिता की संपत्ति है। जब वह युवा होती है तो वह पति की है और जब बूढ़ी होती है तो उसके बच्चों के लिए उसका जीवन होता है। लेकिन ये शब्द शर्म की बात हैं। हमारी महिलाओं को आजाद होना चाहिए। आप किसी पर आश्रित नहीं हैं। आपका आपके पिता पति और बेटे से रिश्ता है, लेकिन आपकी पहचान उनसे नहीं हैं। आप खुद अपनी पहचान रखती हैं। राहुल बोले- आज में राजनीति की बात करने नहीं आया। आज आपको मौका दूंगा। आज आप बोलें, आप क्या सोचते हैं, क्या चाहते हैं। हम आपके विचारों को आपसे ही साझा करेंगे। उस पर चर्चा करेंगे।

राहुल गांधी स्टेज पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सभी को धन्यवाद कहा। वे पीली शर्ट पहने हैं। उन्होंने गर्ल पावर का बैज लगाया है। मुंबई कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, "राहुल जी को सुनने के लिए लोग खुद यहां आए हैं। वह शिक्षा जैसे बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे पर बात कर रहे हैं, जो देश के भविष्य के लिए जरूरी है। वह 'एजुकेशन माफिया' को खत्म करने की बात करते हैं। NEET परीक्षा की व्यवस्था को पारदर्शी और बेहतर बनाने की मांग करते हैं। जब वह युवाओं से इन मुद्दों पर बात करते हैं, तो युवा उनकी बात सुनते हैं और अपना समर्थन देते हैं। वे युवाओं के मुद्दे उठा रहे हैं।'

जज भगवान नहीं हर...

जस्टिस करोल ने संवैधानिकता और न्याय के अर्थ पर बात करते हुए कहा कि कानून, उचित प्रक्रिया और संवैधानिक वैधता जैसे विचारों को समझने का सबसे आसान तरीका धर्म है।

उन्होंने साफ किया कि यहां धर्म का अर्थ किसी अनुष्ठान से नहीं, बल्कि कर्तव्य से है। उन्होंने कहा कि जज का कर्तव्य न्याय का सम्मान करना और यह सुनिश्चित करना है कि अदालत के सामने खड़ा हर व्यक्ति, चाहे वह कितना भी छोटा या कमजोर क्यों न हो, देखा और सुना जाए।

जस्टिस करोल ने अपनी चार दशक लंबी कानूनी यात्रा को याद करते हुए कहा कि अदालत उनके लिए कभी सिर्फ काम करने की जगह नहीं रही। कोर्ट रूम ने उन्हें हमेशा सहारा दिया और उनके जीवन में उनसे कहीं बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने बताया कि उन्होंने अदालतों में करीब 40 साल बिताए। शुरुआत में वह वकील के तौर पर अदालत के सामने पेश होते थे और पिछले 19 वर्षों से जज के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे।

शिव बाबा धाम में...

इसके बाद लोक गायिका प्रतिमा यादव ने अपनी टीम के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गीत-संगीत के बीच विवाह की रस्में शुरू हुईं। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जोड़ों ने फेरे लिए और साथ जीवन बिताने का संकल्प लिया।

समारोह में नवविवाहित जोड़ों के साथ उनके परिजन भी बड़ी संख्या में पहुंचे। वर-वधुओं और उनके परिजनों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम स्थल पर अलग-अलग व्यवस्थाओं के लिए काउंटर बनाए गए थे, जिससे आयोजन की प्रक्रिया व्यवस्थित तरीके से पूरी हो सके।

कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और सामान्य वर्ग के जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए संचालित की जा रही है। योजना के तहत पात्र परिवारों को विवाह के लिए निर्धारित सहायता उपलब्ध कराई जाती है। सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडे ने नवविवाहित जोड़ों के सुखी जीवन की कामना करते हुए योजना को जरूरतमंद परिवारों के लिए उपयोगी बताया।

समारोह में पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी, जिलाधिकारी ईशा प्रिया, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह, सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला, एडीएम ज्योत्सना बंधु,जिला विकास अधिकारी सविता सिंह और जिला समाज कल्याण अधिकारी विक्रम कौशल समेत अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

312 जोड़ों के एक साथ विवाह के साथ शिव बाबा धाम में आयोजित यह समारोह जिले के प्रमुख प्रशासनिक आयोजनों में शामिल रहा।

88.05 मीटर भाला फेंका, श्रीलंकाई रुमेश पथिरागे ने खिताब जीता

नीरज चोपड़ा लुसाने डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे

प्रदर्शन

लुसाने, एजेंसी

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा लुसाने डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने दूसरे प्रयास में 88.05 मीटर भाला फेंका। 28 साल के नीरज ने दूसरे प्रयास में पिछले एक साल का सबसे बेहतर थ्रो फेंका। यह उनके इस सीजन का भी सबसे अच्छा थ्रो रहा। लेकिन, वे श्रीलंका के रुमेश पथिराजे से सिर्फ 9 सेंटीमीटर पीछे रहे। पथिरागे ने 88.14 मीटर के साथ खिताब जीता। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

पथिरागे ने पिछले महीने ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी गोल्ड जीता था और नीरज को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था। नीरज का 88.05 मीटर का थ्रो जून 2025 में पेरिस डायमंड लीग जीतने के दौरान किए गए 88.16 मीटर के प्रदर्शन के बाद सबसे अच्छा रहा। हालांकि, वे ज्यूरिख में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान रहे थे।

पथिराजे ने तीसरे राउंड में बढ़त बनाई

23 साल के रुमेश पथिराजे ने तीसरे राउंड में 88.14 मीटर का थ्रो किया। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने नीरज को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया और खिताब जीता।

पथिराजे इस सीजन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। लुसान में उन्होंने नौ खिलाड़ियों के स्टार खिलाड़ियों से सजे मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया।

गंभीर बोले- मेरा काम ट्रॉफी जीतना, लाइक्स-व्यूज देखना नहीं

नई दिल्ली। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट टीम के हालिया प्रदर्शन पर हो रही आलोचना का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उनका काम रैंकिंग या सोशल मीडिया के लाइक्स-व्यूज देखना नहीं, बल्कि टीम को ट्रॉफी जिताना है।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कोलंबो में गंभीर ने कहा कि भारत टेस्ट क्रिकेट में संघर्ष नहीं कर रहा है। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। भारत ने गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीता था। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। भारत की टेस्ट टीम में पिछले कुछ समय में बड़े बदलाव हुए हैं। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं। इसके बाद टीम में नए खिलाड़ियों को जगह मिली है। इसी दौर में भारत को न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार मिली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी टीम को हार का सामना करना पड़ा।

पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल के मौके गंवाए, ऑस्ट्रेलिया से जीतना होगा

विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप में नीदरलैंड से हारा भारत

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम हॉकी वर्ल्ड कप के राउंड-2 का पहला मैच हार गई है। उसे वर्ल्ड नंबर-1 नीदरलैंड ने 2-0 के अंतर से हराया। इसी के साथ मेजबान टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

इस हार के बाद इंडिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगला मैच जीतना जरूरी हो गया है। जोकि 23 अगस्त को रात 10:30 बजे से खेला जाएगा। नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में शुक्रवार को भारतीय टीम 0-1 से पिछड़ रही थी। उसके बाद टीम वापसी नहीं कर सकी। मेजबान टीम से यिबी यानसन और फ्रेंडरिक माटला ने एक-एक गोल किए।

हाफ टाइम तक भारतीय टीम 0-1 से पीछे चल रही थी। हालांकि, टीम ने शुरुआती मिनट में गोल खाने के बाद नीदरलैंड्स के हमलों का मजबूती से सामना किया। बिचु देवी

और सविता ने दोनों क्वार्टर में कुछ शानदार बचाव किए। 19वें मिनट में नीदरलैंड्स के 5 मीटर फाउल के कारण भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। दीपिका ने ड्रैगफ्लिक लगाई, लेकिन गेंद डिफेंडर के पैर से टकरा गई। भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। अगले प्रयास में गेंद नीदरलैंड्स की फर्स्ट रनर की स्टिक से लगकर बाहर चली गई। 38वें मिनट में नीदरलैंड्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला। बाएं छोर से सर्कल में प्रवेश करने की कोशिश कर रहीं सैंडर्स का शॉट भारतीय डिफेंडर के पैर से टकराया।

नीदरलैंड्स की महिला टीम ने तेज शुरुआत की। सर्कल के अंदर सुशीला के पैर पर गेंद लगने के बाद नीदरलैंड्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला। यिबी यानसन ने इस मौके को गोल में बदल दिया।

यानसन ने जोरदार ड्रैगफ्लिक लगाई, जो पोस्ट डिफेंडर के पैरों के बीच से निकलकर गोल में चली गई। यह टूर्नामेंट में यानसन का 7वां गोल है और उनके सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं।

फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में लड़ने वाले 4 खिलाड़ी बैन

परेडेस 10, मोलिना 7 मैच नहीं खेलेंगे, अर्जेंटीना-स्पेन के खिलाड़ी भिड़े थे

नई दिल्ली। फीफा ने फुटबॉल वर्ल्ड कप फाइनल में लड़ाई करने वाले 4 खिलाड़ियों पर बैन लगाया है। इनमें अर्जेंटीना के तीन और स्पेन का एक खिलाड़ी शामिल हैं।

19 जुलाई को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हारने के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने मैदान पर स्पेनिश प्लेयर्स से लड़ना शुरू कर दिया था। इस घटना के करीब एक महीने बाद फीफा ने कारवाई की है।

परेडेस पर एरिक गार्सिया की गर्दन पकड़ने का आरोप था। वहीं, नाहुएल मोलिना पर रोड्री की ओर मुक्का मारने की कोशिश का आरोप था। इस दौरान निकोलस ओटामेंडी और रोड्री के बीच तीखी बहस हुई। अर्जेंटीना के सहायक कोच रॉबर्टो अयाला और दानी ओल्मो के बीच भी विवाद हुआ। AFA प्रतिबंधों

और जुर्माने के खिलाफ FIFA में अपील कर सकता है। वह कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (CAS) में भी अपील कर सकता है। मैच का इकलौता गोल फेरान टोरेस ने दागा था। उन्होंने एक्स्ट्रा टाइम के 107वें मिनट में स्कोर किया था। निको विलियम्स ने दूर से आए क्रॉस पर बैक पोस्ट पर शानदार हेडर से गेंद नीचे गिराई। इस पर फेरान टोरेस ने रनिंग शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंच दिया।

कोच पर 3 मैच का बैन

अर्जेंटीना के कोच रॉबर्टो अयाला पर भी 3 मैच का प्रतिबंध लगाया गया है। उन पर 30 हजार डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिए-शन (AFA) पर वर्ल्ड कप के दौरान हुई कई घटनाओं के लिए 1.10 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया गया है।

इनमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल जीतने के बाद खिलाड़ियों का फॉकलैंड द्वीप को लेकर राजनीतिक बैनर ले जाना, फैंस के भेदभावपूर्ण नारे जैसे मामले शामिल हैं।

15 साल बाद विमेंस डबल्स में भारत का मेडल पक्का

15 साल बाद बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के विमेंस डबल्स में भारत का मेडल पक्का हुआ है। त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने शुक्रवार को वर्ल्ड नंबर-4 चीन की जिया यी फान और झांग शु शियान को 16-21, 21-15, 21-13 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

इस टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों जोड़ियों या खिलाड़ियों को ब्रॉन्ज मेडल दिया जाता है। इसके लिए अलग से तीसरे स्थान का मुकाबला नहीं कराया जाता। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। त्रिसा और गायत्री की जोड़ी ने टूर्नामेंट के इस एडिशन में भी एक मेडल पक्का कर दिया।

चीन की जोड़ी ने मुकाबले की शुरुआत तेज की और भारतीय जोड़ी को 4-0 से पीछे कर दिया। त्रिसा और गायत्री ने वापसी करते हुए अंतर कम किया, लेकिन जिया और झांग ने दबाव बनाए रखा और पहला गेम 21-16 से जीत लिया।

ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने, इब्राहिमोविच को पीछे छोड़ा, 977वां गोल

रोनाल्डो ने लगातार 25 सीजन में गोल किया

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो लगातार 25 सीजन में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने स्वीडन के दिग्गज फुटबॉलर ज्लातान इब्राहिमोविच का लगातार 24 सीजन में गोल करने का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। 21 अगस्त को सऊदी प्रो लीग में अल नास्र ने अल रियाद को 4-0 से हराया। 41 साल के रोनाल्डो सब्स्टीट्यूट के तौर पर 62वें मिनट में मैदान पर उतरे और 83वें मिनट में टीम का चौथा गोल किया। यह उनके प्रोफेशनल करियर का 977वां गोल है।

इब्राहिमोविच ने 1999 से 2022-23 तक लगातार 24 सीजन में गोल किए थे। रोनाल्डो ने अब लगातार 25 सीजन में गोल कर उन्हें पीछे छोड़ दिया है।

अल नास्र के लिए यह रोनाल्डो का सभी प्रतियोगि-ताओं में 130वां गोल है। वह अपने करियर के 1,000 गोल के आंकड़े के भी करीब पहुंच गए हैं।

रोनाल्डो ने अपने प्रोफेशनल करियर के 25वें सीजन की शुरुआत भी गोल के साथ की। उन्होंने 2002-03 सीजन में स्पोर्टिंग सीपी के लिए अपना पहला गोल किया था। इसके बाद वह हर सीजन में कम से कम एक गोल करने में कामयाब रहे हैं।

62वें मिनट में मैदान पर आए, 83वें में गोल किया

अल रियाद के खिलाफ रोनाल्डो को शुरुआती प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली। वह 62वें मिनट में मैदान पर आए। उस समय अल नास्र 3-0 से आगे थी। 83वें मिनट में आयमन याह्या के लो क्रॉस पर रोनाल्डो ने 8 यार्ड की दूरी से गोल किया।

अल नास्र की 4-0 से जीत

अल नास्र के लिए अब्दुलइलाह अल-अमरी, एंजेलो गैब्रिएल, जोआओ फेलिक्स और रोनाल्डो ने गोल किए। टीम ने अल रियाद को 4-0 से हराया।

मनोरंजन

एक्ट्रेस पूनम ढिल्लों अस्पताल में भर्ती

डेंगू से संक्रमित होने के बाद लीलावती अस्पताल में चल रहा इलाज

नई दिल्ली। एक्ट्रेस और सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (CINTAA) की प्रेसिडेंट पूनम ढिल्लों डेंगू से संक्रमित होने के बाद मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हैं। उनका पिछले कई दिनों से अस्पताल में इलाज चल रहा है।

यह जानकारी पत्रकार विक्की लालवानी ने सोशल मीडिया के जरिए शेयर की। उन्होंने बताया कि पूनम ढिल्लों से सुबह मैसेज पर बात हुई और एक्ट्रेस ने अपनी तबीयत में सुधार की जानकारी दी।

विक्की लालवानी ने लिखा कि पूनम ढिल्लों कई दिनों से अस्पताल में हैं और अब रिकवरी कर रही हैं। उन्होंने एक्ट्रेस के जल्द पूरी तरह ठीक होने की कामना भी की।

पूनम ढिल्लों ने अपने खिलाफ

लगाए आरोपों को खारिज किया। उन्होंने ANI से बात करते हुए कहा था, बात यह थी कि चीजें उनके हिसाब से नहीं हो रही थीं। वे CAWT (सिने आर्टिस्ट्स वेलफेयर ट्रस्ट) के जरिए CINTAA सदस्यों पर नियंत्रण रखने की कोशिश कर रहे थे। जब ऐसा नहीं हो पाया तो उन्होंने हमारे खिलाफ अजीब और गंभीर आरोप लगाने शुरू कर दिए।

पूनम ने आरोपों की भाषा पर नाराजगी जताते हुए कहा था,आप यकीन नहीं करेंगे कि आरोप कितने अश्लील थे। वे इतने आपत्तिजनक थे कि अगर हम चाहते तो इसमें शामिल हर व्यक्ति के खिलाफ मानहानि की कार्रवाई करने पर विचार कर सकते थे।

पूनम ढिल्लों सिंटा विवाद को लेकर चर्चा में थीं

गौरतलब है कि पूनम ढिल्लों हाल ही में CINTAA को लेकर भी चर्चा में रही हैं। CINTAA की एग्जीक्यूटिव कमेटी के 8 सदस्यों ने हाल ही में अपने पदों और कमेटी से इस्तीफा दे दिया। इन सदस्यों ने आरोप लगाया था कि उन्हें संगठन की मौजूदा लीडरशिप पर कोई भरोसा नहीं है। उन्होंने नए चुनाव कराने की मांग भी की थी।

वहीं, पूनम ढिल्लों ने अपने और वाइस प्रेसिडेंट पद्मिनी कोल्हापुरे के खिलाफ लगे आरोपों को बहुत आपत्तिजनक बताया था।

सारा अली खान की फोटो के लिए लड़ने लगे पैपराजी

अपशब्द कहे, धक्का-मुक्की की घटना के बाद मुस्कुराती दिखीं एक्ट्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

सारा अली खान शुक्रवार को स्पॉट हुईं। इसी दौरान वो पोज दे रही थीं, तभी उनके सामने दो पैपराजी फोटोग्राफर्स के बीच कैमरा स्पेस को लेकर बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते दोनों एक-दूसरे को धक्का देने लगे और मामला अपशब्दों तक पहुंच गया। अचानक हुए इस विवाद से सारा अली खान कुछ देर के लिए हैरान नजर आईं। वह स्थिति को देखकर नर्वस होकर मुस्कुराती भी दिखीं और इसके बाद वहां से आगे बढ़ गईं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

सारा अली खान का पैपराजी के

साथ तनावपूर्ण स्थिति का यह पहला मामला नहीं है। हाल ही में वह मंदिर के बाहर जरूरतमंदों को खाना बांटते समय तस्वीरें लेने पर पैपराजी से कैमरे बंद करने की अपील करती नजर आई थीं। वहीं, इससे पहले नवंबर 2021 में सारा जब अपनी फिल्म 'अतरंगी रे' के गाने 'चका चक' के प्रमोशन के लिए एक कॉलेज पहुंची थीं।

तब इवेंट के दौरान भारी भीड़ और पैपराजी की मौजूदगी के चलते धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। इसी दौरान एक सुरक्षाकर्मी ने एक फोटोग्राफर को धक्का दे दिया, जिससे वह गिर पड़ा।

घटना की जानकारी मिलते ही सारा ने सुरक्षा गार्ड को सबके सामने फटकार लगाई और पैपराजी से माफी भी मांगी थी। हालांकि, अगले दिन जब सारा दोबारा मीडिया के सामने आईं, तो पैपराजी ने उन्हें बताया कि धक्का देने वाला शख्स उनका निजी बॉडीगार्ड नहीं था।

53 साल के अर्जुन रामपाल ने दूसरी शादी की

14 साल छोटी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला से शादी रजिस्टर कराई, रिलेशनशिप से दो बेटे हैं

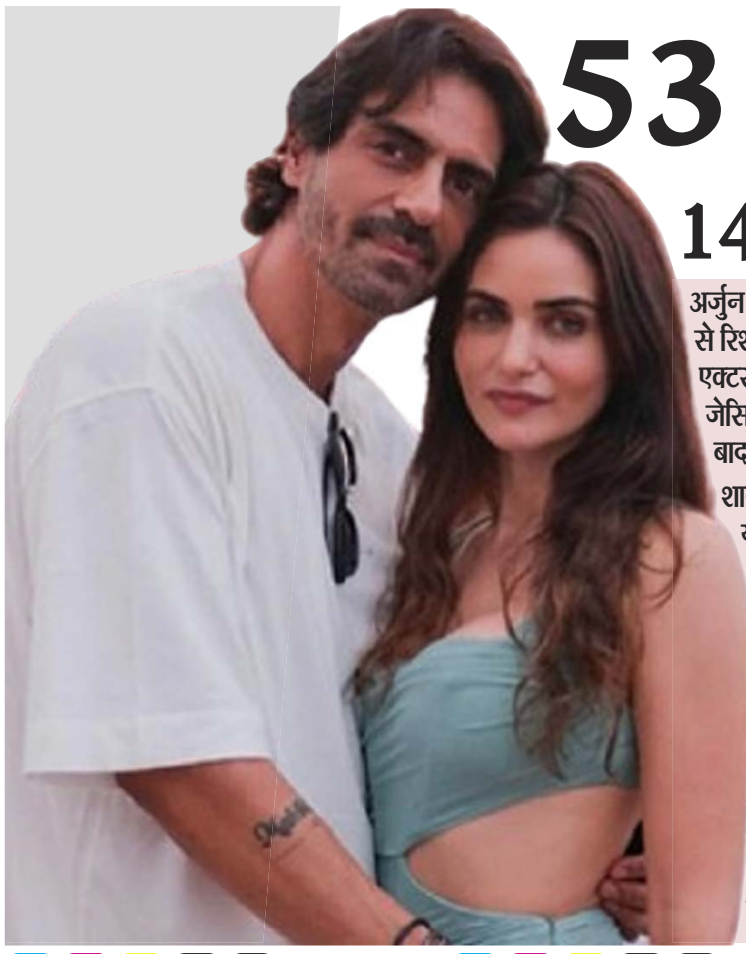

अर्जुन और गैब्रिएला 2018 से रिश्ते में हैं। यह रिश्ता एक्टर की पूर्व पत्नी मेहर जेसिया से अलग होने के बाद शुरू हुआ था।

शादी से 7 साल पहले यानी 2019 में अर्जुन और गैब्रिएला के पहले बेटे एरिक का जन्म हुआ था। इसके चार साल बाद उनके दूसरे बेटे एरिव का जन्म हुआ। 2025 में अर्जुन ने गैब्रिएला से अपनी सगाई की जानकारी दी थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल ने अपनी लंबे समय से गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रियड्स से शादी कर ली है। गोवा में शुक्रवार को यह शादी रजिस्टर्ड कराई गई। दोनों ने उत्तरी गोवा के मापुसा स्थित सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में शादी की कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

PTI के मुताबिक, इस दौरान उनके करीबी दोस्त मौजूद थे। स्थानीय कानून के तहत पहले और दूसरे हस्ताक्षर के बीच 15 दिन का इंतजार जरूरी होता है।

इस अवधि को माफ कराने के लिए कपल ने स्थानीय कोर्ट के असिस्टेंट पब्लिक प्रॉसिक्यूटर से विशेष अनुमति ली थी। सब-रजि-स्ट्रार सूरज वर्नेकर ने बताया कि शादी गोवा के यूनिफॉर्म सिविल

कोड के तहत रजिस्टर्ड हुई। अर्जुन और गैब्रिएला शाम करीब 4 बजे ऑफिस पहुंचे थे। दोनों इस मौके पर कैजुअल कपड़ों में थे।

अर्जुन रामपाल की उम्र 53 साल है, जबकि उनकी पत्नी गैब्रिएला की उम्र 39 साल है। दोनों के बीच 14 साल का अंतर है।

उन्होंने आगे कहा था,इससे एक-दूसरे के प्रति आपका रवैया बदल सकता है। मुझे लगता है कि हम दोनों ऐसा ही महसूस करते हैं। हमारे बीच जो कुछ हुआ, वह बहुत स्वाभाविक था। मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहता, क्योंकि मैं इसे नजर न लगने देना चाहता हूं।

दो बच्चों के बाद शादी नहीं करने पर यह कहा था

अर्जुन ने इससे पहले रणवीर अलाहबादिया के यूट्यूब चैनल पर बताया था कि दो बच्चों के माता-पिता होने के बावजूद उन्होंने गैब्रिएला से शादी क्यों नहीं की थी? एक्टर ने कहा था कि यह न मेरी वजह से है और न उसकी वजह से। शादी आखिर है क्या? एक कागज ही तो है। मुझे लगता है कि हम पहले से शादीशुदा हैं और मेरे मन में इसे लेकर कोई शक नहीं है, लेकिन कभी-कभी वह कागज आपको बदल भी सकता है क्योंकि आपको लगता है कि अब सब स्थायी है, जबकि असल में यह एक गलत धारणा है और आप कानूनी तौर पर बंध जाते हैं।

मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी को इस बात का जवाब देना जरूरी है। हमारे लिए यह बहुत खूबसूरत है। आपको जब तक संभव हो, इसे महसूस करते रहना चाहिए। हम दोनों के मन में एक-दूसरे से शादी हो चुकी है। हम एक-दूसरे को सही दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं और साथ ही बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड भी हैं। हालांकि, अर्जुन रामपाल ने यह भी साफ किया था कि वह शादी के खिलाफ नहीं हैं। अर्जुन रामपाल की पहली शादी पूर्व सुपरमॉडल मेहर जेसिया से 1998 में हुई थी। इस शादी से उनकी दो बेटियां माहिका और मायरा हुईं। 20 साल साथ रहने के बाद, मई 2018 में उन्होंने अलग होने की घोषणा की और नवंबर 2019 में दोनों का तलाक हो गया।

तीन दिन की बातचीत बेनतीजा, पीएम कार्नी बोले- यूएस ने आखिरी समय शर्तें बदली

ट्रम्प ने कनाडा पर 50% टैरिफ लगाया

निर्णय

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका और कनाडा के बीच 3 दिन तक चली ट्रेड डील की बातचीत नाकाम रही। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार आधी रात से कनाडा के 20 अरब डॉलर (करीब 1.9 लाख करोड़ रुपए) के सामान पर 50% टैरिफ लागू कर दिया।

यह टैरिफ कनाडा के अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामान का करीब 5% है। अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों ने वॉशिंगटन डीसी में तीन दिन की बातचीत की थी, लेकिन व्यापार समझौता फाइनल नहीं हो सका।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिका जितना टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतना ही जवाब देगा। दोनो देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो पाने के बाद अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (USTR) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि कनाडा ने अमेरिका के साथ पार्टनशिप का बहुत अच्छा मौका गंवा दिया है।

USTR के मुताबिक, उन्होंने कनाडा को किसी भी बड़े एक्सपोर्टर के मुकाबले सबसे अच्छा ऑफर दिया था। लेकिन कनाडा की नई मांगों और पहले किए गए वादों से पीछे हटने की वजह से यह डील नहीं हो पाई।

USTR ने आगे कहा कि अगर यह डील होती तो इससे एयरोस्पेस में सप्लाई चेन कोऑर्डिनेशन, गलत ट्रेड प्रैक्टिस से निपटने के लिए जरूरी कदम, खनिजों पर सहयोग, और US-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट (USMCA) बातचीत की घोषणा जैसे नतीजे सामने आते।

अमेरिका लंबे समय से शिकायत करता रहा है कि कनाडा की ट्रेड पॉलिसी अमेरिकी कार कंपनियों को कनाडा के बाजार में बराबर मौका नहीं देती।

अमेरिका ने कनाडा पर इतना ज्यादा टैरिफ क्यों लगाया?

अमेरिका का कहना है कि कनाडा की कुछ व्यापार नीतियां अमेरिकी कंपनियों के लिए नुकसानदेह हैं। दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर लंबे समय से विवाद चल रहा है। इनमें ऑटोमोबाइल, डेयरी प्रोडक्ट्स, शराब और लकड़ी का कारोबार प्रमुख हैं।

अमेरिका ने पहले नए टैरिफ 20 अगस्त से लगाने का ऐलान किया था। हालांकि, डेडलाइन से ठीक पहले दोनों देशों ने बातचीत शुरू करने का फैसला किया। इसके बाद ट्रम्प ने टैरिफ लागू करने की समयसीमा 3 दिन बढ़ा दी, ताकि समझौते की कोशिश की जा सके।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, कई मुद्दों पर सहमति बन गई थी, लेकिन कुछ अहम मामलों में दोनों देश एक-दूसरे की शर्तों पर सहमत नहीं हो सके।

कनाडा का अपने डेयरी मार्केट को प्रोटेक्शन

कनाडा अपने डेयरी बाजार को विदेशी कंपनियों और सस्ते डेयरी प्रोडक्ट्स से बचाने के लिए लंबे समय से कई नियम लागू करता रहा है। अमेरिका चाहता है कि उसके दूध, पनीर और दूसरे डेयरी प्रोडक्ट्स को कनाडा के बाजार में ज्यादा आसानी से बेचने का मौका मिले। लेकिन कनाडा अपने डेयरी सेक्टर को लेकर ज्यादा रियायत देने के लिए तैयार नहीं हुआ। इस मुद्दे पर भी दोनों देशों के बीच मतभेद बने रहे।

यूएई में भारतीय मूल की क्लाउड इंजीनियर का कमाल

दुबई, एजेंसी

आमतौर पर स्टिकी नोट का इस्तेमाल छोटे-मोटे रिमाइंडर या मैसेज लिखने के लिए किया जाता है। लेकिन संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में रहने वाली 29 वर्षीया सीनियर क्लाउड इंजीनियर पुष्पाज्योति रविकुमार ने एक ही स्टिकी नोट पर 150 अलग-अलग शब्द लिखकर एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम किया है।

उनकी इस बारीक और साफ लिखावट के लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

दुबई की रहने वाली पुष्पाज्योति ने बताया कि वह बचपन से ही गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से बेहद प्रभावित थीं और लंबे समय से इस वैश्विक मंच का हिस्सा बनना चाहती थीं। दूसरों को रिकॉर्ड बनाते देख उन्हें प्रेरणा मिली, जिसके बाद उन्होंने अपनी लिखावट के हुनर को इस विश्व रिकॉर्ड के जरिए आजमाने का फैसला किया।

सीमित जगह में 150 शब्द अटाने के लिए पुष्पाज्योति ने एक खास रणनीति अपनाई। उन्होंने मुख्य रूप से तीन अक्षरों वाले छोटे और आसान शब्दों का चुनाव किया ताकि शब्द आपस में मिक्स न हों और हर शब्द को आसानी से पढ़ा जा सके।

अपनी पहली ही कोशिश में यह इतिहास रचने वाली पुष्पाज्योति को अलग-अलग हैंडराइटिंग स्टाइल के साथ प्रयोग करना पसंद है।

पुष्पाज्योति ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म ने उन्हें अपना हुनर दिखाने का मौका दिया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। उन्होंने कहा कि गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर बनना उनके लिए गर्व की बात है।

फास्ट न्यूज

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में बढ़त रही

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 8,257 रुपए बढ़कर 1.61 लाख रुपए हो गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 14 अगस्त को 1.52 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.34 लाख रुपए किलो से बढ़कर 2.47 लाख रुपए पर पहुंच गई है, इसकी कीमत 12,788 रुपए बढ़ी है।

अमेरिका: अलास्का में घने कोहरे में प्लेन क्रैश

अलास्का। अमेरिका के अलास्का राज्य में पश्चिमी तट पर एक रिमोट मिलिट्री साइट के पास गुरुवार को एक विमान दुर्घटना-ग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि विमान घने कोहरे में दूसरी बार रनवे पर लैंडिंग की कोशिश कर रहा था। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के अलास्का क्षेत्रीय प्रमुख क्लिंट जॉनसन ने बताया कि सेसना 441 (सेसना कॉन्क्वेस्ट) ट्विन-इंजन विमान के दोनों पायलट ग्रैवल एयरस्ट्रिप को देख नहीं पा रहे थे और सिर्फ इंस्ट्रूमेंट्स के सहारे उड़ान भर रहे थे।

5 साल की हिंद रजब जिस कार में थी, उस पर सैनिकों ने 355 गोलियां बरसाई थीं

यरुशलम/काहिरा। इस्राइली सेना ने 934 दिन बाद पहली बार स्वीकारा है कि जनवरी 2024 में गाजा में पांच साल की फलस्तीनी बच्ची हिंद रजब और उसके परिवार को ले जा रही कार पर उसके सैनिकों ने ही गोलियां चलाई थीं। सैनिकों ने हिंद और उसके परिवार की कार पर 355 गोलियां चलाईं थीं। यह घटना दुनियाभर में गहरा आक्रोश पैदा कर चुकी है ।

मार्क जुकरबर्ग ने आयरलैंड में खरीदा सदियों 200 साल पुराना आलीशान महल

नई दिल्ली, एजेंसी

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग और उनके परिवार ने आयरलैंड में एक ऐतिहासिक प्रॉपर्टी खरीद ली है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने काउंटी वॉटरफोर्ड स्थित करीब 200 साल पुराना स्ट्रैंकली कैसल अपने नाम कर लिया है।

यह तीन मंजिला महल गॉथिक रिवाइवल शैली में बना है और डबलिन से करीब 150 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। इसे 1827 में एक अंग्रेज राजनेता के लिए तैयार किया गया था। पिछले करीब 20 वर्षों में इसके पूर्व मालिकों ने बड़े पैमाने पर मरम्मत और नवीनीकरण कराया है।

यह सौदा ऑफ-मार्केट डील के जरिए एलेन-बकली परिवार से हुआ है। इसी वजह से महल की कीमत की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पूर्व मालिकों में माइकल एलेन-बकली भी शामिल हैं, जो लंदन की प्राइवेट इन्वेस्टमेंट फर्म आरएबी कैपिटल के सह-संस्थापक रहे हैं।

जुकरबर्ग के प्रतिनिधि ने कहा कि मार्क और उनका परिवार इस ऐतिहासिक घर की देखभाल जारी रखने को लेकर खुश हैं। परिवार आयरलैंड में समय बिताने के लिए भी इस प्रॉपर्टी का इस्तेमाल करेगा।

आयरलैंड में मेटा का बड़ा कारोबार है। कंपनी के यहां करीब 1,500 कर्मचारी काम करते हैं। डबलिन में इसका अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय है, कॉर्क में वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी से जुड़ा बिजनेस चलता है तथा डबलिन के बाहर एक डेटा सेंटर भी है।

अभी तक आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है, लेकिन स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स में इस सौदे की खबर जोरों पर है।

चीन में ऑटो कंपनियों ने 40 लाख कारें वापस मंगवाईं

डोर हैंडल में दिक्कतों के कारण फैसला लिया

बीजिंग, एजेंसी

चीन के रेग्युलेटर ने सेफ्टी चिंताओं को देखते हुए टेस्ला और कई प्रमुख चीनी इलेक्ट्रिक गाड़ी बनाने वाली कंपनियों को 40 लाख से ज्यादा गाड़ियां वापस मंगाने को कहा है। यह इस साल का सबसे बड़ा ऑटो रिकॉल है, जो मुख्य रूप से गाड़ियों के फ्लश या हिडन छिपे हुए डोर हैंडल में आ रही दिक्कतों से जुड़ा है। चीन के स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन फॉर मार्केट रेगुलेशन के मुताबिक, अमेरिकी कार निर्माता कंपनी टेस्ला चीन में बनी और इम्पोर्ट की गई लगभग 29.8 लाख ईवी वापस मंगा रही है। इनमें टेस्ला के मॉडल 3, मॉडल वाई, मॉडल एक्स और मॉडल एस जैसे मॉडल शामिल हैं। कंपनी सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए डोर हैंडल से जुड़ी इस तकनीकी समस्या का सही करेगी, ताकि किसी दुर्घटना की स्थिति में कोई जोखिम न रहे।

चीन और दुनिया के अन्य हिस्सों में हुए कई ईवी हादसों के बाद रेग्युलेटर ने हिडन डोर हैंडल की जांच सख्त कर दी थी। दुर्घटना के बाद इलेक्ट्रिकल सिस्टम फेल होने पर ये डिजिटल डोर हैंडल काम करना बंद कर देते थे, जिससे दरवाजे लॉक हो जाते थे और लोग गाड़ी के अंदर ही फंस जाते थे।

चाइनीज रेग्युलेटर ने अपनी वेबसाइट पर जारी नोटिस में कहा है कि गंभीर टक्कर या एक्सीडेंट की स्थिति में अगर कार का इलेक्ट्रिकल सिस्टम फेल होता है, तो ये हैंडल यात्रियों को तुरंत बाहर निकलने से रोकते हैं ।

चीनी जमाखोरी से महंगी हुई, इथेनॉल कारण नहीं : सरकार

अक्टूबर में 10 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने उन दावों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि चीनी से एथेनॉल बनाने की वजह से बाजार में इसके दाम बढ़े हैं। खाद्य और उपभोक्ता मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि कम उत्पादन, त्योहारी सीजन की मांग और जमाखोरी की वजह से कीमतें बढ़ी हैं। चीनी के बढ़ते दाम को रोकने के लिए स्टॉक लिमिट और ड्यूटी फ्री इंपोर्ट जैसे कदम उठाए गए हैं।

मंत्रालय ने कहा कि चीनी की बढ़ती कीमतों को एथेनॉल बनाने में इसके इस्तेमाल से जोड़ना पूरी तरह गलत है। पेट्रोल में मिलाने के लिए चीनी से एथेनॉल बनाने का हिस्सा 2022-23 सीजन के 12% से घटकर 2025-26 सीजन में करीब 9% रह गया है।

मौजूदा समय में देश के कुल एथेनॉल उत्पादन का लगभग 75% हिस्सा अनाज, खासकर मक्के से आ रहा है। भारत में हर साल करीब 32-34 मिलियन टन चीनी बनती है और इसकी खबत 28-29 मिलियन टन है। पहले यह एक्स्ट्रा चीनी मिलों में फंसी रहती थी, जिससे उनके पैसे ब्लॉक हो जाते थे और वे गन्ना किसानों का भुगतान नहीं कर पाते थे। अब सरकार इस एक्स्ट्रा चीनी और गन्ने का इस्तेमाल पेट्रोल में मिलाने वाले इथेनॉल को बनाने में कर रही है। इससे मिलों के पास पैसा आया और किसानों को समय पर भुगतान मिलने लगा। 20 अगस्त 2026 तक इस सीजन का 97% बकाया किसानों को चुकाया जा चुका है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96

हमला : शादी समारोह से पहले प्रार्थना के दौरान दो लोग घायल, मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया

कनाडा में एडमंटन के गुरुद्वारे में चाकूबाजी

ओटावा, एजेंसी

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत स्थित एडमंटन शहर में शुक्रवरा को गुरुद्वारे की भीतर चाकूबाजी की घटना सामने आई, जहां नानकसर गुरुद्वारा गुरसिख मंदिर परिसर के भीतर एक अज्ञात व्यक्ति ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। यह घटना तब हुई जब एक व्यक्ति ने शादी की रस्म से पहले सुबह की प्रार्थना (अरदास) में बाधा डाली। यह हमला सुबह 5 बजे के बाद एडमंटन के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरुद्वारा गुरसिख मंदिर में हुआ। एडमंटन पुलिस के अनुसार, 14 स्ट्रीट और हॉर्सहिल रोड के पास हुई इस घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आपातकालीन कर्मियों ने दो वयस्क पुरुषों का इलाज किया, हालांकि उनकी चोटें चोटें ऐसी थीं जिनसे जान को कोई खतरा नहीं था। गुरुद्वारा प्रबंधन के प्रतिनिधि हरमीक सहगल के अनुसार, एक संदिग्ध व्यक्ति सुबह होने वाले विवाह समारोह से पहले चल रही प्रार्थना के दौरान गुरुद्वारे के भीतर घुसा और बाधा डालने लगा।

> पुलिस ने हमले के मकसद के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और न ही यह बताया कि क्या इसकी जांच नफरत से प्रेरित अपराध के तौर पर की जा रही है। पुलिस जांच में जुट गई है और यह पता कर रही है कि असल में क्या हुआ और क्यों हुआ।

national health authority
समग्र शिक्षा Samagra Shiksha
SACHIS

मिड-डे मील रसोइयों का सम्मान
स्वास्थ्य सुरक्षा का पक्का वरदान

पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत
मिड-डे मील रसोइयों का सम्मान समारोह
एवं
3.54 लाख रसोइयों के लिए
कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण
द्वारा
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति
ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

संदीप सिंह
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश
एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

23 अगस्त, 2026 पूर्वाह्न 10:30 बजे जुपिटर सभागार, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ

कैशलेस कार्ड के लाभ
- प्रतिवर्ष प्रति परिवार ₹5 लाख तक नि:शुल्क उपचार
- राजकीय/सांचीस (SACHIS) से संबद्ध चिकित्सालयों में उपचार की सुविधा
- प्रदेश के 87,426 प्राथमिक विद्यालयों एवं 54,277 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत रसोइए और उनके परिजन होंगे आच्छादित

रसोइयों के हित में उठाए गए अन्य कदम
- ₹2,000 किया गया मानदेय, 3.54 लाख रसोइए लाभान्वित, इनमें 93 प्रतिशत महिलाएं
- प्रतिवर्ष दो सेट यूनिफॉर्म के लिए भत्ते की सुविधा
- प्रशिक्षण की व्यवस्था, पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन

कार्ड दिखाएं, नि:शुल्क उपचार पाएं
मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076
विकास की गति अपार डबल इंजन सरकार
बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS
UPGovtOfficial CMOUttarakhand CMOfficeUP